PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 314 ● भिलाई, शनिवार 27 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में पेट्रोल के 250 रुपये मांगने पर पंप कर्मचारी को आग लगाई

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में चौंकाने वाली वारदात सामने आई है। यहां पेट्रोल के 250 रुपये मांगने पर एक पंप कर्मचारी को 3 लोगों ने आग लगा दी। घटना थाटीपुर थान क्षेत्र में बुधवार देर रात 12 बजे घटी है। पीड़ित का नाम आकाश सेंगर है, जो पंप पर चौकीदारी करता है। उसको बचाने में उसके पिता भी झुलस गए। घटना को अंजाम देने वाले 3 युवकों में सचिन गुर्जर और अरविंद छावई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सेंगर पेट्रोल पंप पर चौकीदार है। वह रात को चोरी छिपे बोतल में पेट्रोल बेचता है। बुधवार रात को तीनों आरोपी बुलेट से सेंगर के पास पहुंचे थे और सेंगर से पेट्रोल लिया। वे सेंगर को 100 रुपये दे रहे थे, जबकि आकाश 250 रुपये मांग रहा थआ। इसी बात को लेकर तीनों भड़क गए और सेंगर के साथ मारपीट शुरू कर दी। तभी एक ने बोतल से पेट्रोल सेंगर पर छिड़क दिया और लाइटर से आग लगा दी। आरोपी आग लगाने के बाद मौके से फरार हो गए। तभी पास की दुकान पर चौकीदार सेंगर के पिता उसे बचाने के लिए दौड़े। वह भी झुलस गए हैं। सेंगर को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि वह 60 प्रतिशत जल गया है और हालत गंभीर है। घटना के बाद सेंगर के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सचिन गुर्जर और अरविंद छावई को गिरफ्तार कर लिया है। अनुज फरार है।

राहुल गांधी को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से राहत, मानहानि मामले में जताया खेद

जबलपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उन्होंने अपने बयान पर लिखित खेद व्यक्त किया जिसे कार्तिकेय चौहान ने स्वीकार कर लिया। दोनों पक्षों के स्टेटमेंट के आधार पर केस बंद कर दिया गया मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जस्टिस प्रमोद अग्रवाल की एकलपीठ में आज मामले की सुनवाई हुई। कार्तिकेय चौहान के वकील ने बताया कि कोर्ट में राहुल गांधी ने अपने दिए बयान को गलतफहमी में दिया गया बयान बताया था। आज की सुनवाई में कार्तिकेय चौहान की ओर से लिखित में प्रतिक्रिया हाईकोर्ट में पेश की गई।

राम मंदिर चढ़ावा केस में एसआईटी रिपोर्ट में कई बड़े खुलासे!

42 दिन 70 चोरी,8 आरोपी गिरफ्तार 3 दिन की पुलिस हिरासत

नई दिल्ली/ एजेंसी

राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और गबन के मामले में गठित विशेष जांच दल की प्रारंभिक जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जांच के दौरान पता चला कि 27 अप्रैल से 5 जून के बीच महज 42 दिनों में 70 बार चोरी की घटनाएं हुईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एसआईटी को चोरी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े अहम साक्ष्य मिले, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एसआईटी ने 27 अप्रैल से 5 जून तक की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग का विस्तृत विश्लेषण किया। जांच में भेंट एवं चढ़ावे की गणना प्रक्रिया, नकदी के संचालन और रिकॉर्ड प्रबंधन में कई गंभीर खामियां सामने आईं। रिपोर्ट के मुताबिक, काउंटिंग रिकॉर्ड का रखरखाव बेहद कमजोर था और चढ़ावे के वितरण की व्यवस्था में भी कई अनियमितताएं मिलीं। जांच में यह भी सामने आया कि मंदिर की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त मजबूत नहीं थी। निगरानी और जवाबदेही को लेकर स्पष्ट व्यवस्था का अभाव पाया गया। एसआईटी की रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में एफआईआर दर्ज हुई और ट्रस्ट से जुड़े कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों के इस्तीफे की खबर भी सामने आई। अयोध्या राम मंदिर से चंदा चोरी मामले में आरोपियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया गया है। पुलिस ने जिन 8 आरोपियों को अरेस्ट किया था, कोर्ट ने उन्हें तीन दिन यानी सोमवार तक की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। फैजाबाद

कोर्ट के सामने पुलिस ने आरोपियों की कस्टडी मांगी थी। सबी आरोपियों को मजिस्ट्रेट निवेदित के सामने पेश किया गया। मजिस्ट्रेट ने पुलिस को सभी 8 आरोपियों की कस्टडी सौंपी है। वहीं सोमवार को पुलिस आरोपियों को फिर से कोर्ट में पेश कर सकती है और पुलिस रिमांड बढ़ाने की मांग कर सकती है। खबरों के मुताबिक, दान राशि में चोरी की पुष्टि होने के बाद ही गिरफ्तारी और अन्य कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। हालांकि, सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्टों में प्रसारित कई दावों की जांच में पुष्टि नहीं हुई और एसआईटी ने उन्हें तथ्यहीन बताया है। एसआईटी ने वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 की आंतरिक ऑडिट रिपोर्टों का भी परीक्षण किया। जांच में हुंडियों की संख्या और उपलब्ध रिकॉर्ड के बीच अंतर, सीमित सीसीटीवी कवरेज तथा केवल कागजों तक सीमित सुरक्षा प्रोटोकॉल जैसी कमियां सामने आईं।जांच के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल चांदी की ईंटों से जुड़े दावों की भी पड़ताल की गई। एसआईटी के अनुसार, अनुराग रस्तोगी द्वारा दान की गई चांदी की ईंटों के गायब होने संबंधी दावे सही नहीं पाए गए। ट्रस्ट के रिकॉर्ड में दोनों दानों का पूरा विवरण मौजूद है। पहली बार 21 जुलाई 2020 और दूसरी बार 28 जुलाई 2020 को चांदी दान की गई थी। अभिलेखों के अनुसार कुल 38 किलोग्राम चांदी प्राप्त हुई थी।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दिया इस्तीफा, अनिल मिश्रा ने भी छोड़ा पद

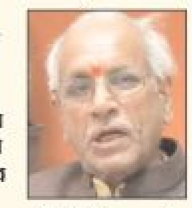

अयोध्या के श्री राम मंदिर से बड़ी खबर सामने आई है। राम मंदिर चंदा चोरी मामले के बाद अयोध्या के श्री राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दो ट्रस्टियों के एक साथ इस्तीफा देने के बाद यूपी में हलचल तेज हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, चंदा चोरी मामले को लेकर एफआईआर दर्ज होने से पहले, कल अयोध्या में विश्व हिंदू परिषद की एक बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में संगठन के कई अहम पदाधिकारी शामिल हुए थे।

रामलला के दरबार पहुंचे अरविंद केजरीवाल!

एफआईआर तो सिर्फ दिखावा चोरी को बताया गया महापाप

नई दिल्ली/ एजेंसी

अयोध्या में श्री राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल अयोध्या पहुंचे। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को अयोध्या में रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। उन्होंने राम मंदिर के चढ़ावा मामले को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार और जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चढ़ावे की कथित चोरी महापाप है और इस मामले में केवल छोटे

कर्मचारियों पर कार्रवाई कर बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। राम जन्मभूमि परिसर में दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत में केजरीवाल ने कहा कि हमने भगवान श्रीराम से प्रार्थना की है कि जिन लोगों ने इस तरह का महापाप किया है, उन्हें भगवान कठोर से कठोर दंड दें। उन्होंने एफआईआर दर्ज होने पर भी सवाल उठाते हुए कहा, जो एफआईआर हुई है, वह केवल दिखावा और छलावा है। आठ छोटे-छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन इतने लंबे समय से यदि कोई घोटाला चल रहा था तो उसे केवल छोटे कर्मचारी नहीं चला सकते। इसके तार बहुत ऊपर तक जुड़े हुए हैं। बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है और छोटे कर्मचारियों के सिर पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है। रामलला के दर्शन के बाद अरविंद केजरीवाल हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे।

डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ सीबीआई का छठा ऑपरेशन चक्र

नई दिल्ली। साइबर अपराध खासकर डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ऑपरेशन चक्र का छठा चरण शुरू किया है, जिसके तहत गुरुवार को 16 राज्यों के 80 ठिकानों पर छापा मारा गया है। सीबीआई की 60 टीमें पंजाब, गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, कर्नाटक और ओडिशा सहित 16 राज्यों में पहुंची थीं। अभियान का उद्देश्य देशभर में सक्रिय डिजिटल अरेस्ट ठगी नेटवर्क को ध्वस्त करना है। जांच टीम ने छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से संजीव शाहा और तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से बी नागेश को गिरफ्तार किया है।

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद संभाली थी सुरक्षा

आईपीएस महेश दीक्षित बने इंटेलिजेंस ब्यूरो के नएचीफ

नई दिल्ली/ एजेंसी

वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी महेश दीक्षित को गुरुवार को इंटेलिजेंस ब्यूरो का नया डायरेक्टर नियुक्त किया गया। उन्होंने मौजूदा डायरेक्टर तपन कुमार डेका से पदभार संभाला है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने महेश दीक्षित की नियुक्ति को मंजूरी दी; इस समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। महेश दीक्षित आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्हें दो साल के कार्यकाल या

अगले आदेश तक आईबी चीफके रूप में नियुक्त किया गया है। आधिकारिक बयान जारी किया गया, जिसमें नियुक्ति समिति ने महेश दीक्षित को इंटेलिजेंस ब्यूरो का निदेशक नियुक्त करने की मंजूरी दी है। वह वर्तमान में इंटेलिजेंस ब्यूरो में स्पेशल डायरेक्टर के रूप में कार्यरत थे। अब वे 1988 बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी तपन कुमार डेका का स्थान लेंगे। अगला आदेश आने तक महेश दीक्षित का कार्यकाल पदभार संभालने की तारीख से दो साल तक रहेगा। उन्हें इस उद्देश्य के लिए सेवा विस्तार भी दिया गया है। दीक्षित पहले इंटेलिजेंस ब्यूरो में स्पेशल डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे थे और उन्हें एजेंसी के सबसे अनुभवी अधिकारियों में से एक माना जाता है।

बागी नेताओं पर बरसीं ममता बनर्जी

पार्टी से गद्दारी बीमार मां को छोड़ने जैसा...

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'गद्दार' करार दिया। उत्तर कोलकाता जिला टीएमसी की वर्चुअल बैठक में उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने किसी नेता को पहचान और सम्मान दिया, मुश्किल वक्त में उसका साथ छोड़ना वैसा ही है जैसे कोई अपनी बीमार मां की सेवा करने से इनकार कर दे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पार्टी के साथ विश्वासघात करने वालों के लिए कोई माफी नहीं है और जनता समय आने पर उनसे जवाब मांगेगी। ममता ने केंद्र की भाजपा सरकार पर

विपक्ष को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में डर और आर्थिक संकट का माहौल है, विपक्षी नेताओं पर लगातार मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं, लोगों की नौकरियां जा रही हैं और छोटे कारोबारियों पर कार्रवाई हो रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव पर केंद्र की सख्त नजर

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में विश्वस्तरीय सड़क अवसंरचना के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता, रखरखाव और प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। नई दिल्ली में आयोजित अलग-अलग समीक्षा बैठकों में उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध कार्यान्वयन, गुणवत्ता नियंत्रण और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी उपस्थित रहे।

जहरीली गैस की वजह से मौत होने की आशंका

दिल्ली के मुंडका में जहरीली गैस से 3 मजदूरों की मौत,तीनों सेप्टिक टैंक में उतरे और गंवाई जान...

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मुंडका औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में सेप्टिक टैंक में उतरे तीन मजदूरों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई है। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, फैक्ट्री नंबर 93/8, मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया से सूचना मिलने पर दो फायर टेंडर मौके पर भेजे गए और मजदूरों को बाहर निकालने का काम शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, एक व्यक्ति पहले सेप्टिक टैंक में उतरा और जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गया। फिर, उसे बचाने के लिए 2 अन्य व्यक्ति भी एक-एक कर टैंक में उतरे, लेकिन वे भी

जहरीली गैस की चपेट में आ गए। बाद में दमकलकर्मियों ने तीनों को सेप्टिक टैंक से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान 38 साल के अरुण पुत्र अजीत सिंह, 32 वर्ष के संदीप पुत्र पालेराम और 42 साल के चांद पुत्र राजू के रूप में हुई है। ये तीनों सुल्तानपुरी के इंद्रा झील इलाके के रहने वाले थे। इस मामले की जांच मुंडका थाना पुलिस ने शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एसआई प्रवेश ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर जहरीली गैस के कारण दम घुटने से मौत होने की आशंका है। हादसे की खबर मिलते ही लोकल स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मौके का निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई शुरू की। अब यह भी मालूम किया जा रहा है कि क्या सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जरूरी सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा था। मजदूरों को सेफ्टी इक्विपमेंट उपलब्ध कराए गए थे या नहीं। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि सेप्टिक टैंक के अंदर जहरीली गैस का लेवल काफी ज्यादा रहा होगा। ऐसे मामलों में बिना पर्याप्त ऑक्सीजन के इंतजाम के सेप्टिक टैंक में उतरना बेहद खतरनाक होता है।

समान नागरिक संहिता यूसीसी लागू करने की दिशा में बड़ा कदम

छत्तीसगढ़ में भी लागू होगी यूसीसी बनाई गई पांच सदस्यीय समिति,रंजना देसाई बनाई गई अध्यक्ष

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता यूसीसी लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह समिति राज्य में यूसीसी लागू करने की संभावनाओं, कानूनी पहलुओं और आवश्यक व्यवस्थाओं का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। उनके साथ पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, विधि विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को सदस्य बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया था। राज्य में सरकार बनने के बाद यह पहला औपचारिक कदम माना जा रहा है, जिसके जरिए यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता कानून लागू किया है। वहां जनवरी 2025 से यूसीसी प्रभावी हो चुका है। अब छत्तीसगढ़ उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां इस विषय पर औपचारिक तैयारी शुरू

हो गई है। समान नागरिक संहिता का अर्थ सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, भरण-पोषण और दत्तक ग्रहण जैसे व्यक्तिगत मामलों में एक समान कानून लागू करना है। वर्तमान में भारत में विभिन्न धार्मिक समुदायों के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। सरकार ने समिति को यूसीसी लागू करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने की जिम्मेदारी सौंपी है। समिति राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में वर्तमान कानूनी स्थिति का अध्ययन करेगी। विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण जैसे विषयों पर सुझाव देगी। नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से राय लेगी। अन्य राज्यों में लागू या प्रस्तावित समान नागरिक संहिता की व्यवस्थाओं का अध्ययन करेगी। यूसीसी का प्रारूप तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगी। आवश्यक विधायी और प्रशासनिक अनुशंसाएं भी देगी।

कौन-कौन हैं समिति में

राज्य सरकार द्वारा गठित समिति में- न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई अध्यक्ष, शत्रुघ्न सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस)-सदस्य, एम. के. राउत (सेवानिवृत्त आईपीएस) सदस्य, मोहन पवार, वरिष्ठ अधिवक्ता, सदस्य, ज्योति रानी सिंह (सेवानिवृत्त प्राचार्य) महिला सदस्य को शामिल किया गया है।

गुजरात के बाद अब बंगाल की बारी!

यूसीसी बिल लाने की तैयारी में सुवेंदु सरकार

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से देशभर में समान नागरिक संहिता की चर्चा है। यह भाजपा के मुख्य संकल्प पत्र में भी शामिल है। भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड, गुजरात और असम के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को विधानसभा में छ्श्ट बिल पेश किया जा सकता है। ऐसा होने पर बंगाल भी यूसीसी पर पहल करने वाले राज्यों में शामिल हो जाएगा। आज शाम बंगाल विधानसभा में बिजनेस

एडवाइजर कमेटी की मीटिंग हुई। हालांकि, सरकार की तरफ से अभी तक इस पर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में, आगामी विधानसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे पर बहस की संभावना जताई जा रही है। मीटिंग के दौरान इस मामले पर चर्चा भी की गई।

CMYK

नवनिर्मित पीएम आवास की नियम विरूद्ध धड़ल्ले से खरीद-बिक्री

सत्तापक्ष से जुड़े नेता पर उठ रहे सवाल

धमतरी। कच्चे मकानों में रहने वाले व्यक्तियों को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम आवास योजना चलाकर उनके जीवन को बदलने हेतु करोड़ों, अरबों रूपये का योगदान दिया जा रहा है जिसके चलते हजारों परिवार, कच्चे मकानों से निकलकर पक्के मकानों में गुजर-बसर कर रहे हैं। यह योजना निरंतर जारी है जिसे देश की जनता ने सराहा भी है। लेकिन बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि पीएम आवास योजना से प्राप्त पक्के मकानों को अब कुछ सत्तापक्ष से जुड़े हुए लोग खरीद-फरोख्त में लगे हुए हैं और उन्हें फिर से शासकीय भूमि में कच्चे मकान बनाकर रहने के लिये छोड़ रहे हैं जबकि सत्तापक्ष से जुड़े होने के कारण ऐसे निर्वाचित जनप्रतिनिधि को अपने प्रिय प्रधानमंत्री की योजना से प्राप्त ऐसे मकानों को खरीदी नहीं किया जाना चाहिये था। ऐसे कार्य से उक्त निर्वाचित जनप्रतिनिधि काफी चर्चित हो रहे हैं। नवनिर्मित पीएम आवास की नियम विरूद्ध धड़ल्ले से खरीद-बिक्री के कार्य में सत्तापक्ष से जुड़े नेता सहित एक सिंडीकेट इस क्षेत्र में कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना जबसे देश में लागू की गई है, ऐसे हजारों परिवार जो कच्चे मकानों में रहकर अपना गुजर-बसर कर रहे थे, ऐसे लोगों की वह उम्मीद जिसमें उन्होंने पक्के मकान का सपना देखा था, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनके सपनों को साकार करने पीएम आवास योजना चलाई। इस योजना को पूरा करने के लिये केंद्र और राज्य सरकार पूरी तरह कृत संकल्पित है और इसके लिये बकायदा प्रतिवर्ष लाखों, करोड़ों रूपये का फंड आता है। जिन व्यक्तियों ने पीएम आवास योजना का लाभ लेने के लिये आवेदन दिया, उनके आवेदनों को संबंधित उच्च विभागों को भेजकर इसकी स्वीकृति मांगी जाती है, तब उक्त सूची के हिसाब से केंद्र सरकार द्वारा फंड आबंटित किया जाता है। अब तक जिले में ऐसे सैकड़ों मकान बनकर तैयार हो चुके हैं और इसमें वह लोग जो पक्के मकान का सपना देखा करते थे, वे खुशी-खुशी अपना जीवन यापन कर सरकार को धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों को नगरी क्षेत्र के एक जनप्रतिनिधि जो सत्तापक्ष से जुड़े हुए हैं, ऐसे मकानों को खरीदकर उसे डिस्मेंटल कराकर नया मकान बनाने का कार्य कर रहे हैं। खबर के मुताबिक उक्त जनप्रतिनिधि द्वारा पीएम आवास को खरीदकर उस पर नया मकान बनाने को लेकर क्षेत्र की जनता में खासी नाराजगी है। इनमें से कुछ लोगों का कहना है कि सत्तापक्ष से जुड़े रहकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह महत्वपूर्ण योजना से प्राप्त गरीबों के मकान को खरीदकर उसे तुड़वाना, निःसंदेह प्रधानमंत्री के प्रयास को विफल करना, साथ ही साथ पार्टी के रीति-नीति से ऊपर उठकर ऐसा कृत्य किया जा रहा है। इसमें संलिप्त निर्वाचित जनप्रतिनिधि का दावा है कि मेरा कोई भी बाल बांका नहीं कर सकता।

मेरी पहुंच प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों से है। मै जो भी करूंगा, मेरे विरूद्ध कोई भी जांच, कार्यवाही नहीं हो सकती। सिहावा विस क्षेत्रांतर्गत आने वाले नगरी में पीएम आवास खरीद-बिक्री को लेकर एक नया विवाद छिड़ गया है। जागरूक लोगों का कहना है कि पीएम आवास का लाभ लिये व्यक्ति अपने मकान को किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर एक वर्ष तक नहीं कर सकता। लेकिन नगरी क्षेत्र में 6 से 9 महीने के भीतर बने ऐसे मकानों को एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा खरीदकर उसमें नया निर्माण करवाया जा रहा है, जो कि अनुचित है। इस योजना के तहत संबंधित व्यक्तियों को लाखों रूपये की सब्सिडी दी जाती है जो किश्तों में अदा की जाती है। लेकिन ऐसे मकानों की खरीद-बिक्री को लेकर संबंधित विभाग कान में रूई डाले बैठा हुआ है। नगरी अनुविभाग के अंतर्गत पीएम आवास की खरीद-बिक्री क्षेत्र के नागरिकों की जुबानों पर चर्चित है। इस मामले को लेकर सत्तापक्ष से जुड़े नेताओं में भी खासी नाराजगी देखी जा रही है। चूंकि पीएम आवास को खरीदने वाला एक अहम पद में पदस्थ है, इस वजह से वे कुछ कहने के मूड में नहीं हैं। क्षेत्र के नागरिकों ने कलेक्टर अबिनाश मिश्रा से इस मामले को संज्ञान लेकर ऐसे लोग जो पीएम आवास का लाभ लेकर उक्त मकानों को बेच रहे हैं, उन पर विधिवत कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। अब देखना है कि इस मामले में कलेक्टर क्या कार्यवाही करते हैं। इस मामले को लेकर कांग्रेस नेता पेमन स्वर्णबेर से दूरभाष पर चर्चा किये जाने पर उनका कहना है कि पीएम आवास की खरीद-बिक्री एक गंभीर मामला है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिये और लेनदेन करने वालों पर फौरी कार्यवाही किया जाना चाहिये।

तिल्दा-नेवरा में नवनियुक्त एल्डरमैन का स्वागतः नगर विकास की उम्मीदों के साथ कार्यकर्ताओं में उत्साह

तिल्दा-नेवरा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नगरीय निकाय में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) की सूची जारी होते ही तिल्दा-नेवरा क्षेत्र में राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नगर पालिका तिल्दा-नेवरा के लिए श्रीमती आरती गिलहरे, श्री पवन कुमार अग्रवाल, श्री अनिल नायक, श्रीमती सुधा चौबे और श्री सुरेश कुमार लखवानी को एल्डरमैन के रूप में मनोनीत किया गया है।इस नियुक्ति की घोषणा के साथ ही नवनियुक्तों के समर्थकों और स्थानीय कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।निष्ठावान और संघर्षशील कार्यकर्ताओं को मिली जिम्मेदारी क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं का मानना है कि पार्टी ने इस बार पूरी तरह से बेदाग, नए और ईमानदार चेहरों को प्राथमिकता दी है। नवनियुक्त एल्डरमैन की कार्यशैली को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उम्मीदें हैं:श्री सुरेश कुमार लखवानीः इन्हें पार्टी का समर्पित सिपाही माना जाता है, जिन्होंने हमेशा बिना किसी भेदभाव के पार्टी के लिए कार्य किया है। चाहे टिकट किसी को भी मिले, इन्होंने संगठन की मजबूती को ही अपना धर्म समझा है। श्री अनिल नायकः एक गरीब परिवार से संबंध रखने वाले अनिल नायक पूरी निष्ठा के साथ पार्टी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते रहे हैं। अपने कॉलेज जीवन में वे दो बार निर्वाचित अध्यक्ष रहे हैं और विद्यार्थियों के हितों के लिए लगातार संघर्ष किया है।श्री पवन कुमार अग्रवालः ये पार्टी के लिए बेहद निष्ठावान रहे हैं और बिना किसी स्वार्थ के संगठन से जुड़े रहे हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे मोदी और योगी जी की विचारधारा और कार्यशैली से प्रेरित होकर समाज सेवा में लगे हैं और उन्होंने राष्ट्र सेवा के लिए आजीवन अविवाहित रहकर संघर्ष का मार्ग चुना है।श्रीमती आरती गिलहरेः शुरुआत से ही भाजपा की एक वफादार सिपाही के रूप में इनकी पहचान रही है।श्रीमती सुधा चौबेः अपने पूर्व के कार्यकाल में भी एक दमदार पार्षद के रूप में इन्होंने क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है।विकास की नई उम्मीद नगर के प्रबुद्ध जनों और कार्यकर्ताओं का सामूहिक रूप से कहना है कि यदि ये सभी नवनियुक्त एल्डरमैन मिलकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, तो अगले तीन वर्षों में तिल्दा-नेवरा के विकास में एक बड़ा बदलाव निश्चित रूप से देखने को मिलेगा। सभी नवनियुक्तों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए नगर के चहुंमुखी विकास के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा सुंदरकांड का आयोजन

धमतरी। माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा रुद्री रोड धमतरी में जेष्ठ माह के पावन अवसर पर कमलेश गुप्ता जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सुंदरकांड का पाठ और भजन किया गया। इस कार्य मे कमलेश गुप्ता जिलाध्यक्ष, बसंती शर्मा उपाध्यक्ष, सुनीति ध्रुव, पूनम तिवारी, सुनैना मिश्रा, अनीता दुबे, सरोज तिवारी, विष्णु साहू और सहयोगी भाई, बहनें उपस्थित रहे। ट्रस्टी अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी गुरुजी ने इस पवित्र कार्य के लिए सबको साधुवाद दिए।

जिले में जल जीवन मिशन की सांसें उखड़ीं करोड़ों की परियोजनाएं अधूरी, जिम्मेदार मौन : मुरलीधर सिन्हा

गरियाबंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के ज़रिए गरीबों के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की मंशा पर विभागीय अधिकारियों मिलीभगत और लापरवाही के चलते गरियाबंद जिले में यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है इतने साल बीतने के बाद भी आज तक मैनपुर देवभोग सहित अन्य ब्लॉक के ज्यादातर गांवों में नल जल योजना पूरी तरह ठप है पानी तो दूर की बात है कि नल कनेक्शन फिटिंग तक नहीं हो पाया है और जों फिटिंग हो गया इतने साल में वह भी कबाड़ स्थिति में दिखाई पड़ रहा है जिससे नाराज आम लोगो की मुखर आवाज़ भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सहसंयोजक मुरलीधर सिन्हा ने जिले में जल जीवन मिशन

के कार्यों पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए विभागीय अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा किया है । हाल ही में जनसंपर्क के दौरान देवभोग क्षेत्र के ओड़िशा सीमा से लगे व्यापारिक ग्राम उरमाल पहुंचे मुरलीधर सिन्हा ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित हो रहे जलागार पानी टंकी का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान सामने आया कि गांव में पहले से एक जलागार निर्मित है लेकिन कथित रूप से घटिया निर्माण और तकनीकी खामियों के कारण उससे आज तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। इसके बावजूद विभाग ने जवाबदेही तय करने के बजाय एक और नई टंकी के निर्माण की स्वीकृति दे दी मुरलीधर सिन्हा ने सवाल उठाया कि जब लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग तकनीकी विशेषज्ञता वाला विभाग है तो फिर निर्माण स्थल का चयन तकनीकी परीक्षण के आधार पर हुआ या केवल औपचारिकता निभाई गई यदि पुरानी टंकी अनुपयोगी थी तो उसकी जिम्मेदारी किसकी तय की गई मामले में जानकारी लेने पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग मैनपुर के उप अभियंता गोपाल ध्रुव स्पष्ट जानकारी देने से बचते नजर आए। उन्होंने टंकी की क्षमता, लागत और निर्माण संबंधी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई स्थल चयन के संबंध में उन्होंने कहा कि गांव के लोगों द्वारा स्थान का चयन किया गया है वहीं निर्माण कार्य अधूरा रहने और ठेकेदार की जवाबदेही जैसे सवालों पर भी संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जिसके बाद सिन्हा और भड़कते अधिकारियों पर आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर न तो कार्य समय पर पूरे हो रहे हैं और न ही ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति योजना के उद्देश्य और शासन की मंशा दोनों के विपरीत हैं इसलिय सिन्हा ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि उरमाल सहित जिले में जल जीवन मिशन के तहत संचालित सभी निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही अधूरे और घटिया निर्माण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों, इंजीनियरों तथा संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की माँग करने की बात कही है।

युवाओं के लिए रोल मॉडल है अजय चंद्राकर की जीवंत सक्रिय कार्यशैली : विजय मोटवानी

धमतरी। अजय चंद्राकर के जन्मदिवस को शहर में आम जनमानस से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी सहित निगम के सभी भाजपाई पार्षदों के द्वारा किया गया जिसमें सुबह पुराना बस स्टैंड स्थित सिद्ध दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर परिसर में विशेष पूजा अर्चना और हनुमान चालीसा पाठ के साथ करते हुए चंद्राकर के सुखी, समृद्धशाली एवं शतायु जीवन की कामना एवं प्रार्थना की गई। इस पूरे आयोजन के नेतृत्वकर्ता विजय मोटवानी ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह दिवस हम सबके लिए इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि हमारे धमतरी जिले को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान अपने जीवन एवं सक्रिय कार्यशैली के कारण दिलाने वाले हमारे वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर का जन्मदिन को सामाजिक सरोकारों से जोड़कर आयोजित करने का हम सब ने पवित्र प्रयास किया है। यह उनके द्वारा जन सेवा के पर्याय के रूप में हम सब का जो सतत् मार्गदर्शन करने के प्रति कृतज्ञता एवं समर्पण का भाव है और यही राजनीति के क्षेत्र में सार्वजनिक जीवन जीने वाले युवाओं के लिए रोल मॉडल प्रस्तुत करता है। इसके पश्चात पर्यावरण संतुलन के दृष्टिकोण से वृक्षों का वृहद वितरण स्टाल लगाकर प्रारंभ हुआ जिसमें फलदार वृक्षों के साथ ही साथ घरों में भी एक पेड़ मां के नाम का संदेश देते हुए आकर्षक गमले के साथ फूलदार पौधों को जन्मदिन के उपहार एवं पुनित प्रतीक के रूप में आने जाने वाले राहगीरों और आगन्तुक अतिथियों को भी प्रदान किए गए। वही मंदिर स्थल पर आध्यात्मिक परंपरागत मान्यताओं का निर्वाह करते हुए ताम्रपत्र में प्रसादी को श्रद्धालुओं तथा भक्तों ने पूरी आस्था एवं श्रद्धा के साथ ग्रहण करते हुए चंद्राकर के दीर्घायु होने के लिए हनुमान जी से प्रार्थना की, तत्पश्चात अमर टॉकीज परिसर में हजारों लोगों ने अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए भोजन महाप्रसादी भंडारे में स्वादिष्ट भोजन के साथ ही अनेक व्यंजनों को ग्रहण करते हुए सभी ने दिल से दुआ और आशीर्वाद दिए जो प्रसादी ग्रहण करने का क्रम देर शाम तक चलता रहा। इसी स्थल पर स्वास्थ्यगत सुविधा प्रदान करने की दृष्टिकोण से चलित स्वस्थ यूनिट की भी उपलब्धता रही। इस विशेष अवसर पर जीवन के विशिष्ट क्षणों की सार्थकता को सिद्ध करने के लिए जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक रूप से प्रोत्साहित करने के लिए कापी, किताब, पेंसिल सहित विभिन्न अध्ययन की सामग्रियों को भी उपलब्ध कराई गई। उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित जनों में पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, प्रदेश कार्य समिति सदस्य पं.राजेश शर्मा, नगर निगम पूर्व सभापति राजेंद्र शर्मा, शशि पवार, नरेंद्र रोहरा, पार्वती वाधवानी, प्रकाश गोलछा, चेतन हिंदूजा, सभापति कौशल्या देवांगन, दयाराम साहू, कृष्ण कुमार गुप्ता, बिथिका विश्वास, विजय साहू, कल्पना रणसिंह, चंद्रकला पटेल, गायत्री सोनी, योगेश रायचुरा, लकी डागा, अज्जू देशलहरे, निलेश लूनिया, अखिलेश सोनकर, हेमंत बंजारे, कुलेश सोनी, पिन्टू यादव, मेघराज ठाकुर, हिमानी साहू, भारती साहू, गोपाल साहू, अनीता अग्रवाल, नम्रता पवार, श्यामलाल नेताम, ईश्वर सोनकर, संतोष सोनकर, संजय देवगन, शैलेंद्र प्राची सोनी, नीलू डागा, रजक, विभा चंद्राकर, कुशल लोढ़ा, सतीश पवार, राकेश चंदवानी, कोमल सर्वा, महेंद्र खंडेलवाल, आशा लोधी, गजेंद्र कवर, तह्मीन पुरी गोस्वामी, चंद्रभागा साहू, भागवत साहू, विकास शर्मा, दौलत वाधवानी, प्राची सोनी, रिकी गंगवानी, देवेश अग्रवाल, पप्पू सोनी, रुक्मणी सोनकर, गौरव मगर, महेश साहू, सुनील साहू, रेश्मा शेख, कवींद्र जैन, भारती खंडेलवाल शामिल रहे।

जिले के दो होनहार विद्यार्थियों ने बढ़ाया जिले का मान,जापान के प्रतिष्ठित सकुरा साइंस हाई स्कूल कार्यक्रम हेतु चयनित

बलौदाबाजार। जिले के दो प्रतिभाशाली छात्रों ने इंस्पायर मानक योजना के अंतर्गत जापान में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित सकुरा साइंस हाई स्कूल कार्यक्रम के लिये चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उनकी उज्ज्वल भविष्य के लिये शुभकामनायें दी है। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों एवं उनके पालकों के लिए, बल्कि संपूर्ण जिले के लिए भी गर्व का विषय है। विद्यार्थियों की यह सफलता जिले में विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जापान में आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सहभागिता से विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में नई जानकारियां प्राप्त होंगी, जिससे वे भविष्य में देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। चयनित विद्यार्थियों में गगन दास मानिकपुरी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लवन तथा नागेश कुमार, शासकीय मिडिल स्कूल, हथबंद शामिल हैं। पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से इस कार्यक्रम के लिए केवल पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें से दो विद्यार्थी बलौदाबाजार-भाटापारा जिले से हैं। यह जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

आपात काल की याद आज भी परिवार में ताजा हो जाती है

संघर्ष, सेवा और राष्ट्रभक्ति की मिसाल थे स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा : सौरभ जैन

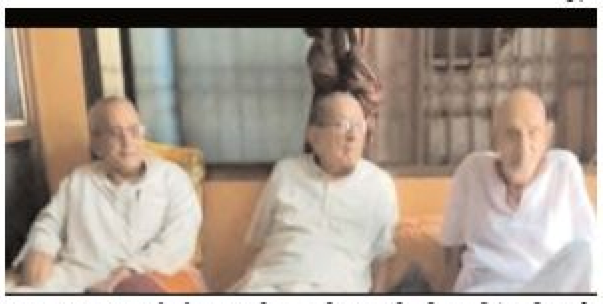

तिल्दा-नेवरा। स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा का जीवन सादगी, संघर्ष, राष्ट्रसेवा और सामाजिक समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण रहा है। उन्होंने अपने जीवनकाल में सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक एवं राष्ट्रवादी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उक्त बात रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ जैन लोकतंत्र प्रहरी छत्तीसगढ़ ने कहा बचपन से स्व मीसा बंदी मालूराम शर्मा जी स्व शांताराम जी से जुड़ कर सेवा कार्यों में अग्रणी रहा हु ओर नजदीक से उनको देखा हुँ । जैन ने बताया कि साधारण आर्थिक परिस्थितियों में जीवनयापन करते हुए पंडित मालूराम शर्मा एक छोटी चाय की दुकान संचालित करते थे। इसी दौरान उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनसंघ के कार्यकर्ताओं और नेताओं से हुआ। राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रभावित होकर वे संघ एवं जनसंघ की गतिविधियों से सक्रिय रूप से जुड़ गए। उनका मार्गदर्शन तत्कालीन प्रांत प्रचारक स्वर्गीय शांताराम जी सहित अनेक वरिष्ठ संघ नेताओं ने किया। वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लागू होने के बाद लोकतंत्र समर्थक एवं राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं पर व्यापक कार्रवाई की गई। इसी क्रम में पंडित मालूराम शर्मा को भी मीसा के तहत गिरफ्तार कर रायपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। लगभग दो वर्षों तक जेल में रहने के दौरान उनके परिवार को गंभीर आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनकी धर्मपत्नी और छोटे-छोटे बच्चों ने अत्यंत संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में जीवन व्यतीत किया, किंतु परिवार ने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। जेल से रिहा होने के बाद भी उन्होंने समाज और राष्ट्र की सेवा का कार्य निरंतर जारी रखा। वे पत्रकारिता के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे और युगधर्म समाचार पत्र से जुड़े रहे। सामाजिक जागरूकता, जनसमस्याओं और राष्ट्रहित के मुद्दों को सदैव प्रमुखता से उठाते रहे। पंडित मालूराम शर्मा विश्व हिन्दू परिषद की गतिविधियों से भी जुड़े रहे तथा धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तिल्दा-नेवरा में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना के प्रयासों में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। इसके साथ ही परशुराम भवन निर्माण सहित अनेक सामाजिक एवं सांस्कृतिक परियोजनाओं में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई। क्षेत्र में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामाजिक अभियानों में उनकी सक्रिय भागीदारी सदैव बनी रही। वे विभिन्न वर्गों के लोगों को साथ लेकर समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते थे।

उनके सहज व्यवहार, सेवा भावना और संगठन क्षमता के कारण वे समाज के सभी वर्गों में सम्मानित थे। स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और जनसेवा के प्रति समर्पित रहा। आज भी उनके द्वारा किए गए कार्य और उनके आदर्श नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। क्षेत्र के सामाजिक, शैक्षणिक और धार्मिक विकास में उनके योगदान को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा।

राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग में वसुंधरा ने बेमेतरा को दिलाया कांस्य पदक

पदक विजेता खिलाड़ियों ने कलेक्टर व एसपी से लिया आशीर्वाद

बेमेतरा। जिले के द वारक्राई मार्शल आर्ट्स एंड सेल्फ डिफेंस एकेडमी बेमेतरा की खिलाड़ी वसुंधरा शुक्ला ने वाको इंडिया राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर जिले, राज्य एवं अकादमी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। 17 से 21 जून 2026 तक इंदौर (मध्य प्रदेश) में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 1600 खिलाड़ी, 90 कोच तथा 165 रेफरी एवं जजों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच वसुंधरा शुक्ला ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। अकादमी के अन्य खिलाड़ियों–वर्तिका कश्यप, भावी टंडन, आरुषि बंजारे, भौमिक जांगड़े, रूद्र चौहान, सर्वेश पोल, आरव सिन्हा एवं अंश सिंह बैस–ने भी विभिन्न स्पर्धाओं में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 9 स्वर्ण, 11 रजत एवं 25 कांस्य पदकों सहित कुल 45 पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से लौटने के पश्चात खिलाड़ियों ने जिला कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों एवं प्रतियोगिता के अनुभवों को साझा किया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी तथा भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक उपलब्धियाँ हासिल कर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। अकादमी के निदेशक, मुख्य प्रशिक्षक एवं राष्ट्रीय कोच सेंसेई भानु प्रताप साहू ने बताया कि खिलाड़ियों की यह सफलता उनके निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा खिलाड़ियों को दिए गए प्रोत्साहन एवं शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने दिव्यांग पीताम्बर को दिया लैपटॉप

बलौदाबाजार। कलेक्टर जनदर्शन लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण का माध्यम के साथ ही संवेदनशील पहल का मिसाल भी बनता जा रहा है।इसी कड़ी में मंगलवार को जनदर्शन में कुलदीप शर्मा ने दृष्टि बाधित दिव्यांग पीतांबर बंजारे को आगे की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के एक लैपटॉप प्रदान किया। ग्राम लरिया निवासी 23 वर्षीय पीताम्बर बंजारे ने अध्ययन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लैपटॉप उपलब्ध कराने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। जन्म से ही दोनों आंखों से दृष्टिबाधित पीताम्बर ने अपनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद शासकीय दृष्टिहीन एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय, मठपुरैना से 12वीं की शिक्षा पूर्ण की तथा दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर से बीए अंतिम वर्ष उत्तीर्ण किया है। वर्तमान में वे एमए में प्रवेश लेने की तैयारी के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सस्ते सोने का लालच देकर मां-बेटे ने कारोबारी से ठग लिए 10 लाख

रायपुर। राजधानी रायपुर में सस्ते दाम में सोना खरीदने के लालच में एक कारोबारी 10 लाख रुपये की ठगी का शिकार हो गया। आरोपियों ने खुदाई में मिला दो किलो वजनी सोने का हार बताकर कारोबारी को अपने झांसे में लिया और नकली हार थमाकर फरार हो गए। मामले में डीडी नगर थाना पुलिस ने मां-बेटे के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, भिलाई के गुरुनानक नगर निवासी धवल बडोदरिया सैनेटरी व्यवसाय करते हैं। उनकी मुलाकात उनके दोस्त नमन अग्रवाल के माध्यम से राजेश प्रजापति से हुई थी। राजेश ने धवल को बताया कि उसे खुदाई के दौरान पीतल के एक लोटे में करीब दो किलो वजनी सोने का हार मिला है। विश्वास दिलाने के लिए आरोपी ने हार का एक छोटा टुकड़ा धवल और उनके मित्र को जांच के लिए दिया, जो जांच में असली सोना निकला। इसके बाद 22 जून को रायपुरा चौक के पास हुई मुलाकात में आरोपियों ने हार का एक और टुकड़ा जांच के लिए दिया, जो भी असली पाया गया। इससे कारोबारी का भरोसा पूरी तरह जीत लिया गया। 23 जून को दोनों पक्षों के बीच सौदा तय हुआ। रायपुरा क्षेत्र में कार के भीतर ही धवल ने आरोपियों को 10 लाख रुपये नकद दिए, जिसके बदले उन्हें कथित दो किलो वजनी सोने का हार सौंप दिया गया।

दयालबंद में विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति समेत ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

रायपुर। दयालबंद क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के मायके पक्ष ने पति, सास-ससुर समेत ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। मामले को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के ग्राम मधुपुर निवासी अखिलेश कुमार ने बिलासपुर एसएसपी रजनेश सिंह से शिकायत करते हुए बताया कि उनकी बहन अदिति मौर्या की शादी वर्ष 2019 में दयालबंद निवासी रविकांत मौर्या से हुई थी। दंपति का डेढ़ साल का एक बच्चा भी है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही अदिति को घरेलू हिंसा और प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा था। मृतका अक्सर अपने मायके वालों को ससुराल पक्ष से जान का खतरा होने की बात बताती थी। मायके पक्ष के अनुसार, 23 जून को अदिति के साथ मारपीट की गई, जिसके बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद साक्ष्य छिपाने की कोशिश की गई और शव को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जशपुर जिले में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था सुचारु

रायपुर। राज्य सरकार प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता सुनिश्चत करने मॉनिटरिंग कर रही है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि जिले में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। जशपुर जिले में भी पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति सामान्य एवं सुचारु रूप से जारी है। जिले में कुल 61 पेट्रोल पंप संचालित हैं, जिनमें इंडियन ऑयल के 28, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के 24 तथा भारत पेट्रोलियम के 9 पेट्रोल पंप शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में सफल ट्राइबल यूथ हॉस्टल के विद्यार्थियों से की मुलाकात

युवा शक्ति की सफलता विकसित छत्तीसगढ़ की नई पहचान-मुख्यमंत्री

- साधारण परिवारों के सपनों को मिल रही नई उड़ान, ट्राइबल यूथ हॉस्टल बन रहा प्रतिभाओं का सशक्त मंच
- राजमिस्त्री, किसान और शिक्षक परिवारों के बेटे-बेटियों की सफलता पूरे समाज के लिए प्रेरणा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में सफल हुए ट्राइबल यूथ हॉस्टल, द्वारका के विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के मेहनतकश परिवारों के सपनों और संघर्ष का सम्मान भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि प्रतिभा कभी भी आर्थिक संसाधनों या पारिवारिक पृष्ठभूमि की मोहताज नहीं होती। किसी के पिता राजमिस्त्री हैं, कोई किसान परिवार से है तो कोई शिक्षक का बेटा है, लेकिन इन सभी ने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा के प्रथम चरण में सफलता प्राप्त की है। यह पूरे प्रदेश, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनकी तैयारी, अध्ययन पद्धति, संघर्ष और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से

चर्चा की। विद्यार्थियों ने ट्राइबल यूथ हॉस्टल में उपलब्ध अध्ययन वातावरण, मार्गदर्शन और सुविधाओं के अनुभव साझा किए तथा बताया कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुकूल माहौल ने उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने का आत्मविश्वास दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से कहा कि प्रारंभिक परीक्षा की सफलता एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन वास्तविक लक्ष्य मुख्य परीक्षा और उसके बाद साक्षात्कार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को पूरी निष्ठा, अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करने की सलाह देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता और निरंतर प्रयास ही सफलता का सबसे बड़ा आधार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सेवाएं केवल एक प्रतिष्ठित करियर नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे भविष्य में प्रशासनिक दायित्व निभाते समय संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे तथा अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विशेष रूप से दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों के प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं, ताकि प्रतिभा संसाधनों के अभाव में कभी पीछे न रह जाए। उन्होंने कहा कि द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल इसी सोच का परिणाम है, जहां प्रदेश के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। यहां उपलब्ध शैक्षणिक वातावरण, मार्गदर्शन और आवश्यक सुविधाओं का सकारात्मक परिणाम अब यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में विद्यार्थियों की लगातार बढ़ती सफलता के रूप में सामने आने लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का सबसे मजबूत आधार शिक्षित, जागरूक, सक्षम और संवेदनशील युवा हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़े और देश के सर्वोच्च संस्थानों एवं सेवाओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करे। उन्होंने सभी सफल अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए पुन: शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया

जवान ने पत्नी से विवाद के बाद लगा ली फांसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले से एक हृदयविदारक मामला सामने आया है। जम्मू-कश्मीर में पदस्थ एक सीआरपीएफ जवान ने अपने गृह गांव में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जवान का शव घर के बाहर फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान राजाराम प्रजापति के रूप में हुई है, जो हाल ही में छुट्टी पर अपने गृह ग्राम कुन्दीकला आया था। बताया जा रहा है कि घटना से पहले जवान और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद राजाराम ने घर के बाहर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि घटना से पहले जवान और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।इधर, मृतक जवान के परिजनों ने उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष की प्रताड़ना के चलते जवान ने यह कदम उठाया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

सीएम हेल्पलाइन से मिला त्वरित समाधान 24 घंटे के भीतर मिला विवाह प्रमाण पत्र

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और त्वरित जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। कोण्डागांव जिले में इसका एक सकारात्मक उदाहरण सामने आया है, जहां एक नागरिक को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के मात्र 24 घंटे के भीतर विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। कोण्डागांव जिले के बड़ेराजपुर तहसील अंतर्गत ग्राम खालारी निवासी श्री जितेन्द्र कुमार मरकाम एवं ग्राम आमगांव निवासी श्रीमती सरिता मरकाम

का विवाह 27 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ था। विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर उन्होंने संबंधित प्रक्रिया पूर्ण की, किंतु प्रमाण पत्र प्राप्त होने में विलंब होने के कारण उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी समस्या दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही जनपद पंचायत बड़ेराजपुर द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की गई और आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर 24 घंटे के भीतर विवाह प्रमाण पत्र जारी कर हितग्राहियों को उपलब्ध करा दिया गया। विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर श्री जितेन्द्र कुमार मरकाम एवं श्रीमती सरिता मरकाम ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ, जिससे उन्हें काफी राहत मिली। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और जनकल्याण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का लाभ अब सीधे आम नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे शासन के प्रति लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत हो रहा है।

नवा रायपुर को मिली आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई सौगात

- वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने किया सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ
- 50 बिस्तरों वाले अस्पताल से नवा रायपुर एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को मिलेगा बेहतर उपचार का लाभ

रायपुर/ संवाददाता

नवा रायपुर को मिली आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई सौगातरायपुर : नवा रायपुर को मिली आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई सौगात नवा रायपुर को मिली आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई सौगात नवा रायपुर के सेक्टर-9 में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित एक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किसी भी राज्य के विकास का महत्वपूर्ण आधार होता है। नवा रायपुर में इस अत्याधुनिक अस्पताल की शुरुआत से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा और अधोसंरचना के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश के तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि एक समय जिन चुनौतियों की चर्चा होती थी, आज उन्हें पीछे छोड़ते हुए राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेश में निवेश बढ़ रहा है, उद्योगों का विस्तार हो रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश और आधुनिक अस्पतालों की स्थापना से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

नए आवास में सुखद और सम्मान जनक जीवन कर रही व्यतीत.......

- प्रधानमंत्री आवास योजना : नगर पंचायत जरहागांव की रामकुमारी कश्यप के पक्के आवास का सपना हुआ पूरा

रायपुर/ संवाददाता

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना ने हजारों जरूरतमंद परिवारों के पक्के आवास के सपनों को साकार किया है। अपने घर का सपना हर परिवार की सबसे बड़ी आकांक्षा होती है। एक सुरक्षित और पक्का आवास न केवल जीवन में स्थिरता लाता है, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा की

भावना भी प्रदान करता है। मुंगेली जिले के नगर पंचायत जरहागांव की निवासी रामकुमारी कश्यप का वर्षों पुराना पक्के मकान का सपना अब हकीकत बन चुका है। रामकुमारी कश्यप का परिवार लंबे समय तक कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकना, दीवारों में सीलन और मौसम की मार झेलना उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया था। परिवार के लिए सुरक्षित आवास की चिंता हमेशा बनी रहती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्रता के आधार पर उन्हें आवास स्वीकृत हुआ। शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता के माध्यम से उन्होंने अपना पक्का और सुरक्षित घर बनवाया। आज उनका परिवार सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त अपने नए आवास में सुखद और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहा है। रामकुमारी ने बताया कि पहले हर बारिश उनके लिए चिंता और परेशानी लेकर आती थी। कच्चे मकान में परिवार की सुरक्षा को लेकर डर बना रहता था, लेकिन अब पक्का घर बनने से वे स्वयं को सुरक्षित महसूस करती हैं।

अल्प वर्षा से जर्जर सड़कों पर भरा पानी

रायपुर। शहर में पिछले दिनों हुई हल्की वर्षा से शहर की सड़कों में जलभराव की स्थिति बनी। विभिन्न क्षेत्र के निवासियों द्वारा वार्ड के पार्षदों एवं नगर निगम आयुक्त एवं महापौर को अवगत कराने के बाद भी सड़कों की मरम्मत नहीं हुई जिसके चलते लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इस संबंध में रिंग रोड के आसपास एवं रायपुर शहर के बाहरी क्षेत्रों में लगभग 50 किमी सड़कों के दायरे में सड़कों की मरम्मत नहीं होने से लोग परेशान हुए। आरटीआई कार्यकर्ता डॉ. चंद्रमणी तिवारी एवं कुशालपुर निवासी डॉ. आरएस बघेल ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब बरसात सिर पर आती है तब नगर निगम के अधिकारी एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी सड़कों पर जल भराव की स्थिति से निपटने के बजाय सूखे दिन आने के बाद सड़कों की मरम्मत पर चर्चा करते है। जबकि नवंबर दिसंबर से लेकर जून तक के बीच में गर्मी के समय सड़कों का मरमम्तीकरण कार्य नहीं होता है जिसकी वजह से आधे से ज्यादा आबादी रोज कामकाज के समय परेशान होती है। इधर बिल्डरों द्वारा रायपुर क्षेत्र के बाहरी इलाकों में निर्मित कालोनियों में भी एप्रोच रोड का निर्माण नहीं किया गया है इस पर आपत्ति जताते हुए आकाश कोडवानी ने कहा कि नगर निगम के निवेश विभाग द्वारा एवं रेरा द्वारा बिल्डरों को अनुमति किस आधार पर दी गई है यह जांच का विषय है।

छत्तीसगढ़ में अब बिना लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम वाली यात्री बसों पर होगी कार्रवाई

परिवहन सचिव ने ली बस संचालको एवं अधिकृत वेंडरों की बैठक

- सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही
- इससे नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की तत्काल पहचान कर कार्रवाई की जा सकेगी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में यात्री सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब सभी यात्री बसों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाना और उसे सक्रिय रखना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर नियम का पालन नहीं करने वाले बस संचालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम, 1988 के तहत कार्रवाई की जाएगी। परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश ने आज इंद्रावती भवन नवा रायपुर स्थित परिवहन कार्यालय में सभी बस संचालकों एवं विभाग द्वारा वीएलटीडी लगाने हेतु अधिकृत वेंडरों की संयुक्त बैठक लेकर यात्री बसो में स्थापित वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा है कि जिन बसों में अभी तक वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) नहीं लगी है, उनमें 15 दिनों के भीतर इसे अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। वहीं जिन बसों में यह उपकरण लगा हुआ है लेकिन संचालित नहीं है, उन्हें तत्काल चालू किया जाए। परिवहन विभाग के अनुसार वर्ष 2025 में राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में हुए भीषण सड़क हादसों के बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है। सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही है। विभाग ने बताया कि राज्य मुख्यालय के कमांड एवं नियंत्रण केंद्र से सभी बसों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। उपग्रह आधारित ट्रैकिंग प्रणाली के माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि बस निर्धारित मार्ग पर चल रही है या नहीं तथा समय पर संचालन हो रहा है या नहीं। यात्रियों को भी संगवारी ऐप के जरिए बसों की वास्तविक समय की लोकेशन की जानकारी मिल सकेगी। अतिरिक्त परिवहन आयुक्त श्री डी. रविशंकर ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरे और बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणाली स्थापित की जा रही है। इससे नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की तत्काल पहचान कर कार्रवाई की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस एक ऐसी उपग्रह आधारित प्रणाली है, जो वाहन की हर पल की स्थिति और लोकेशन की जानकारी नियंत्रण केंद्र तक पहुंचाती है। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 दिन की मोहलत समाप्त होने के बाद नियमों की अनदेखी करने वाले बस संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

सिर्फ कानून बना देने से अपराध पर अंकुश नहीं लग पाएगा

सवाल है कि सुरक्षा एजेंसियां अपराध होने के बाद ही हरकत में क्यों आती हैं। अपराध को होने से रोकने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बच्ची का अपहरण कर उससे बलात्कार और फिर उसकी हत्या कर देने की घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था को एक बार फिर सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है, बल्कि सामाजिक और मानवीय संवदेनाओं को भी झकझोर दिया है। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए विशेष कानून बनाए जाने के बाद भी क्या वजह है कि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लग नहीं पा रहा है।गौरतलब है कि दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में एक बच्ची को सोमवार तड़के उस समय अगवा कर लिया गया, जब वह अपने परिवार के साथ फुटपाथ पर सो रही थी। खबरों के मुताबिक, आरोपी कैब चालक ने बच्ची की अस्मिता को तार-तार करने के बाद गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी और शव को फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड के किनारे एक जंगल में फेंक दिया।सवाल है कि सुरक्षा एजंसियां अपराध होने के बाद ही हरकत में क्यों आती हैं। अपराध को होने से रोकने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि यहां सुरक्षा व्यवस्था दूसरे शहरों की अपेक्षा बेहतर होगी। मगर यहां आपराधिक घटनाओं के आंकड़ों पर नजर डालें, तो स्थिति इसके विपरीत प्रतीत होती है। घर हो या फुटपाथ, लोग कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पाते हैं।हैरत की बात है कि बच्ची को अगवा कर उसकी हत्या कर देने के बाद भी आरोपी के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं था। वारदात को अंजाम देने के बाद वह घटनास्थल पर दोबारा आया, लेकिन पुलिसकर्मियों को देख कर वहां से भाग गया। हालांकि, बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।ऐसे में यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर अपराधियों के भीतर कानून का डर खत्म हो गया है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। जाहिर है कि सुरक्षा एवं जांच एजंसियों की लापरवाही की वजह से जब अपराधी कानून के शिकंजे से बच निकलते हैं, तो उनके भीतर किसी तरह का खौफ नहीं रहता है। शासन-प्रशासन को इस बात पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि सिर्फ कानून बना देने से अपराध पर अंकुश नहीं लग पाएगा, उसे प्रभावी तरीके से जमीन पर लागू करने की जरूरत है।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा।

युद्धविराम से आगे- क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

(ललित गर्ग)

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की

जीवन में सच्चे सम्मान के लिए वाणी को संयमित करना जरूरी, निंदा का स्वभाव दीमक की तरह

(समराज चौहान)

निंदा करने से मन में ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता बढ़ती है। इससे मानसिक शांति भंग होती है और बेवजह का तनाव उत्पन्न होता है। हमारे शब्द केवल ध्वनि नहीं होते, वे हमारे संस्कार, विचार और व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करते हैं। आज के समय में मनुष्य के पास सुविधाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक हैं, इसके बावजूद समाज में मानसिक अशांति, कटुता और रिश्तों में दूरियां बढ़ती जा रही हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि लोग अपने शब्दों की मर्यादा भूलते जा रहे हैं। बातचीत, जो कभी प्रेम, सहयोग और आत्मीयता का माध्यम हुआ करती थी, आज दूसरों की आलोचना, उपहास और निंदा का साधन बनती जा रही है। किसी व्यक्ति की असफलता, गलती या निजी जीवन पर टिप्पणी करना अब लोगों के लिए सामान्य बात बन चुकी है। यही नहीं, कई बार किसी व्यक्ति की सफलता की सराहना करने के बजाय उसमें खामियां निकालने की कोशिश की जाती है। धीरे-धीरे यह प्रवृत्ति लोगों के व्यक्तित्व का हिस्सा बनती जा रही है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका जीवन समाज के बीच ही विकसित होता है। वह अपने विचारों और व्यवहार से ही लोगों के बीच सम्मान प्राप्त करता है। मगर जब उसकी वाणी में कटुता और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति आ जाती है, तब उसका प्रभाव केवल सामने वाले व्यक्ति पर ही नहीं, बल्कि उसके अपने व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। जो व्यक्ति हर समय दूसरों की कमियां खोजने में लगा रहता है, वह अनजाने में अपने भीतर की असुरक्षा और नकारात्मक सोच को प्रकट कर देता है। कुछ समय के लिए उसे यह लग सकता है कि वह दूसरों से बेहतर है, मगर धीरे-धीरे लोग उसके स्वभाव को समझने लगते हैं और उससे दूरी बनाने लगते हैं। निंदा का स्वभाव दीमक की तरह निंदा का स्वभाव बिल्कुल उस दीमक की तरह होता है, जो बाहर से दिखाई नहीं देता, लेकिन भीतर ही भीतर मजबूत लकड़ी को खोखला करता रहता है। उसी प्रकार दूसरों की बुराई करने की आदत भी मनुष्य के चरित्र को अंदर से लगातार कमजोर करती रहती है। जो व्यक्ति दूसरों की गलतियों की चर्चा करता है, वह अक्सर यह भूल जाता है कि सुनने वाला व्यक्ति केवल उन बातों को नहीं सुन रहा होता, बल्कि उसके व्यक्तित्व का भी आकलन कर रहा होता है। लोग सामने से उसकी बातों में रुचि दिखा सकते हैं, लेकिन उनके मन में उसके प्रति सम्मान कम होने लगता है। समाज यह अच्छी तरह समझता है कि जो व्यक्ति आज किसी की बुराई कर रहा है, वह कल किसी और के बारे में भी वैसा ही बोल सकता है। दूसरों की बुराई करना एक ऐसा अवगुण है, जो निंदक के मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करता है। यह न केवल आपसी विश्वास को नष्ट करता है, बल्कि व्यक्ति के अपने व्यक्तित्व को भी कमजोर बनाता है।

निंदा करने से मन में ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता बढ़ती है - निंदा करने से मन में ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता बढ़ती है। इससे मानसिक शांति भंग होती है और बेवजह का तनाव उत्पन्न होता है। हमारे शब्द केवल ध्वनि नहीं होते, वे हमारे संस्कार, विचार और व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करते हैं। यदि हमारी वाणी में ईर्ष्या, कटुता, नफरत और नकारात्मकता होगी, तो उसका प्रभाव हमारे आसपास के वातावरण पर भी दिखाई देगा। इसके विपरीत यदि हमारी भाषा में विनम्रता, सम्मान और मधुरता होगी, तो वह लोगों के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाएगी। मधुर वाणी मनुष्य को वह सम्मान दिलाती है, जिसे धन या बाहरी दिखावे से प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए समझदार व्यक्ति वही माना जाता है, जो अपने शब्दों का उपयोग लोगों को जोड़ने के लिए करे, तोड़ने के लिए नहीं। आज के डिजिटल युग में यह समस्या और अधिक गंभीर होती जा रही है। सोशल मीडिया और आनलाइन मंचों ने लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो दी है, लेकिन कई लोग इसका उपयोग बिना सोच-विचार के दूसरों पर टिप्पणी करने में कर रहे हैं। किसी व्यक्ति की छोटी-सी गलती को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करना, बिना सत्य जाने किसी के बारे में अफवाह फैलाना और किसी की छवि को नुकसान पहुंचाना अब सामान्य बात बनती जा रही है। यह केवल एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे सामाजिक वातावरण को दूषित करता है। इससे लोगों के बीच विश्वास कम होता है और रिश्तों में दूरी बढ़ती है।

समय का उपयोग खुद को बेहतर बनाने में करना चाहिए - वास्तव में मनुष्य को अपना समय और ऊर्जा दूसरों की आलोचना में नहीं, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने में इस्तेमाल करने चाहिए। यदि हम दूसरों की कमियां खोजने के बजाय अपने व्यवहार, विचार और कर्मों को सुधारने का प्रयास करें, तो हमारा जीवन अधिक शांत और सार्थक बन सकता है। महानता किसी को छोटा दिखाने में नहीं, बल्कि स्वयं को ऊंचा उठाने में होती है।

हिंद-प्रशांत में उभरते नए समीकरण, अमेरिका वास्तविकता की अनदेखी कर जोखिम उठाएगा

(ब्रह्मदीप अलूने)

हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति - चीन की समुद्री विस्तारवादी नीति का मुकाबला करने के लिए अमेरिका के पास भारत से अधिक विश्वसनीय और सक्षम साझेदार नहीं है। हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति, उसकी बढ़ती नौसैनिक शक्ति और स्वतंत्र विदेश नीति उसे हिंद-प्रशांत रणनीति का अपरिहार्य स्तंभ बनाती है। जापान और आस्ट्रेलिया इस भू-रणनीतिक सच्चाई को समझते हुए भारत के साथ रक्षा, समुद्री सुरक्षा और उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में लगातार अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं। यदि अमेरिका इस वास्तविकता की अनदेखी करता है, तो वह पूरे हिंद-प्रशांत में अपनी रणनीतिक बढ़त को भी कमजोर करने का जोखिम उठाएगा। चीन 'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना को साकार कर दुनिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है और उसके केंद्र में हिंद प्रशांत क्षेत्र की अहम भागीदारी है।

चीन की समुद्री विस्तारवादी नीति का मुकाबला करने के लिए अमेरिका के पास भारत से अधिक विश्वसनीय और सक्षम साझेदार नहीं है। रणनीतिक अवधारणाएं दीर्घकालीन राष्ट्रीय हितों और व्यापक भू-राजनीतिक दृष्टि पर आधारित होती हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की अवधारणा भी ऐसी ही एक रणनीतिक पहल थी, जिसने चीन के बढ़ते समुद्री प्रभाव को नियंत्रित और संतुलित करने के लिए अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे समान हितों वाले देशों को गोलबंद किया था। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने इस दीर्घकालीन रणनीतिक नीति को आर्थिक सौदेबाजी और तात्कालिक लाभों की कसौटी पर रख कर इसकी विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंचाई है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका रणनीतिक प्रतिबद्धताओं की अपेक्षा तात्कालिक आर्थिक फायदों को अधिक महत्त्व दे रहा है। इससे उसकी हिंद-प्रशांत रणनीति के उद्देश्य कमजोर पड़ गए हैं। एक महाशक्ति के रूप में अमेरिका की साख एवं नेतृत्व क्षमता पर भी संकट खड़ा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में हिंद प्रशांत क्षेत्र को रणनीतिक पहचान दी थी और जापान, आस्ट्रेलिया, यूरोपीय देशों तथा आसियान ने भी चीन से मुकाबला करने के लिए इसे व्यापकता दी। भारत ने इसे सैन्य रणनीति से कहीं ज्यादा समुद्री सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, संपर्क, व्यापार और क्षमता निर्माण से जोड़ कर इसे बहुआयामी बनाया। हिंद-प्रशांत विश्व के सबसे महत्त्वपूर्ण और परस्पर जुड़े हुए क्षेत्रों में शुमार है। यह विशाल समुद्री क्षेत्र पूर्वी अफ्रीका के तट से लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तट तक फैला हुआ है। विश्व की लगभग आधी जनसंख्या और वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से जुड़ा है।

हिंदी-प्रशांत क्षेत्र से होता है साठ फीसद से अधिक व्यापार - अपने प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता तथा सांस्कृतिक विविधता के कारण यह क्षेत्र वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का केंद्र बन गया है। हिंद-प्रशांत केवल हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के भौगोलिक जुड़ाव का संकेत नहीं देता, बल्कि यह एशिया, अफ्रीका और आसियान के देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक, आर्थिक तथा सुरक्षा साझेदारी का भी प्रतीक है। समुद्री मार्गों से वस्तुओं और ऊर्जा के साठ फीसद से अधिक व्यापार का आवागमन इसी क्षेत्र से होता है। भारत हिंद प्रशांत की व्यापक अवधारणा के केंद्र में कई कारणों से है। भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है और मलक्का जलमार्ग, अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी जैसे प्रमुख समुद्री मार्गों पर उसकी प्रभावी पहुंच है। विश्व के ऊर्जा व्यापार और समुद्री वाणिज्य का बड़ा हिस्सा इन्हीं मार्गों से होकर गुजरता है। यदि कभी संकट की स्थिति उत्पन्न होती है, तो भारत इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत के बिना 'क्वाड' अमेरिकी रणनीति तक सीमित - अमेरिका के लिए यह सामरिक दृष्टि से बेहद महत्त्वपूर्ण है। भारत हिंद-प्रशांत का एक लोकतांत्रिक, स्थिर और विश्वसनीय साझेदार रहा है। अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के साथ भारत की भागीदारी ने 'क्वाड' को क्षेत्रीय स्थिरता का एक अहम मंच बना दिया है। यदि भारत इसका हिस्सा न हो, तो हिंद-प्रशांत की अवधारणा केवल अमेरिकी या पश्चिमी रणनीति तक सीमित दिखाई दे सकती है और इससे विकासशील देश आशंकित हो सकते हैं। भारत की नौसैनिक क्षमता मजबूत है और यह हिंद महासागर में मानवीय सहायता, समुद्री सुरक्षा तथा आपदा राहत कार्यों में बड़ी भूमिका निभा रही है। भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह मलक्का जलमार्ग के निकट है, जो चीन की समुद्री आपूर्ति श्रृंखला पर निगरानी रखने की दृष्टि से अहम है। यह सामरिक लाभ अमेरिका के पास नहीं है।

अमेरिका की वैश्विक विश्वसनीयता पर प्रश्न उठे - अब अमेरिका 'इंडो-पैसिफिक' जैसी व्यापक और स्थापित अवधारणा से हट कर इसे 'यूएस-पैसिफिक' कह रहा है, तो इसमें अमेरिकी वर्चस्व का स्पष्ट संकेत है और इससे स्वयं उसे रणनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। हाल के वर्षो में अमेरिका की वैश्विक विश्वसनीयता पर प्रश्न उठे हैं। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका अपने दीर्घकालीन रणनीतिक दायित्वों के बजाय अल्पकालिक आर्थिक और घरेलू राजनीतिक प्राथमिकताओं को अधिक महत्त्व दे रहा है। इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अनेक देश अपनी सुरक्षा और आर्थिक हितों के बीच नया संतुलन तलाशने के लिए चीन के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ कर सकते हैं। अमेरिकी प्रतिबद्धताओं पर अनिश्चितता बढ़ने की स्थिति में चीन का प्रभाव इस क्षेत्र में अपेक्षाकृत बढ़ सकता है।

हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति - चीन की समुद्री विस्तारवादी नीति का मुकाबला करने के लिए अमेरिका के पास भारत से अधिक विश्वसनीय और सक्षम साझेदार नहीं है। हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति, उसकी बढ़ती नौसैनिक शक्ति और स्वतंत्र विदेश नीति उसे हिंद-प्रशांत रणनीति का अपरिहार्य स्तंभ बनाती है। जापान और आस्ट्रेलिया इस भू-रणनीतिक सच्चाई को समझते हुए भारत के साथ रक्षा, समुद्री सुरक्षा और उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में लगातार अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं। यदि अमेरिका इस वास्तविकता की अनदेखी करता है, तो वह पूरे हिंद-प्रशांत में अपनी रणनीतिक बढ़त को भी कमजोर करने का जोखिम उठाएगा। चीन 'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना को साकार कर दुनिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है और उसके केंद्र में हिंद प्रशांत क्षेत्र की अहम भागीदारी है। भारत अपनी सुरक्षा मजबूरियों के कारण अमेरिका का स्वभाविक सहयोगी बन गया है।

चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का प्रमुख भागीदार - चीन पाकिस्तान की बढ़ती साझेदारी ने भारत की सामरिक समस्याएं बढ़ाई हैं। चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का प्रमुख भागीदार है। श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह, बांग्लादेश का चटगांव बंदरगाह, म्यांमा की सितवे परियोजना समेत मालदीव के कई निर्जन द्वीपों पर चीनी कब्जे से भारत की समुद्री सुरक्षा की चुनौतियां बढ़ गई हैं। दक्षिण चीन सागर का इलाका हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच है और चीन, ताइवान, वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई और फिलीपींस से घिरा हुआ है। अमेरिका को यह समझना होगा कि महाशक्तियां केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीतिक प्रतिबद्धताओं और विश्वसनीय साझेदारियों से अपना नेतृत्व कायम करती हैं। उसने हिंद-प्रशांत की अवधारणा को कमजोर कर अपने सबसे बड़े रणनीतिक निवेश को दांव पर लगा दिया है। उसका यह दृष्टिकोण उन रणनीतिक साझेदारियों और वैचारिक प्रतिबद्धताओं को कमजोर कर रहा है, जिनके बल पर अमेरिका ने दशकों तक वैश्विक नेतृत्व बनाए रखा।

अमेरिका की नीतियों से अनिश्चितता बढ़ी - अमेरिकी राष्ट्रपति की नीतियों से यूरोप से लेकर हिंद-प्रशांत तक अनिश्चितता बढ़ी है। अब भारत को हिंद महासागर में अपनी समुद्री कूटनीति और क्षेत्रीय साझेदारियों को नए सिरे से मजबूत करना होगा। जापान, आस्ट्रेलिया और आसियान देश भारत के स्वाभाविक रणनीतिक साझेदार बन सकते हैं। भारत किसी एक महाशक्ति पर निर्भर हुए बिना अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को और सुदृढ़ कर सकता है। बहरहाल, अमेरिका की 'यूएस पैसेफिक' की नई रणनीति को भारत के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में एक विश्वसनीय, स्थिर और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को और प्रभावी बनाने के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

अंतर्राज्यीय साइबर ठगी गिरोह के 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लेनदेन हेतु बैंक खाता किराए पर देने वाले आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई

आरोपी द्वारा अपना बैंक खाता एटीएम कार्ड एवं सिम कार्ड अन्य व्यक्ति को उपलब्ध कराना पाया गया।

बस्तर दंतेवाड़ा। पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा श्री गौरव राय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रामकुमार बर्मन तथा एस डी ओ पी बारसूर श्री गोविंद दीवान गीदम के पर्यवेक्षण एवं थाना प्रभारी गीदम अमित बेरिया के निर्देशन में पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक बड़े अंतर्राज्यीय साइबर ठगी प्रकरण का खुलासा किया गया है। प्रार्थी भूपेंद्र तेलामी निवासी ग्राम हारमपारा, गीदम द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ऑनलाइन टास्क एवं निवेश के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में रकम जमा कराकर उसके साथ लगभग ?61,06,592/- (इकसठ लाख छह हजार पांच सौ बानवे रुपये) की साइबर ठगी की गई है। शिकायत पर थाना गीदम में अपराध क्रमांक 27/2025 धारा 318(4) बीएनएस एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल एवं पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के आधार परविवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण एवं अन्य राज्यों में जाकर की गई जांच से प्रकरण में प्रयुक्त बैंक खातों एवं मोबाइल नंबरों की जानकारी प्राप्त हुई। प्रकरण में शामिल कई आरोपियों को पूर्व में महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली एवं केरल से गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा चुकी है। प्रकरण में शेष फरार आरोपियों की तलाश हेतु विशेष टीम गठित कर केरल राज्य रवाना किया गया।विशेष टीम द्वारा सतत प्रयास कर निम्नलिखित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया–1.मुहम्मद नीजाज आर.एम., उम्र 21 वर्ष, निवासी जिला कोझिकोड (केरल) 2.अभिनव श्रीनिवास, उम्र 23 वर्ष, निवासी जिला कोझिकोड (केरल)3.मुहम्मद साहिल, उम्र 21 वर्ष, निवासी जिला कोझिकोड (केरल)पूछताछ एवं विवेचना में प्राप्त महत्वपूर्ण तथ्यपूछताछ के दौरान आरोपी मुहम्मद नीजाज आर.एम. ने स्वीकार किया कि उसके नाम सहित विभिन्न बैंकों में अनेक खाते संचालित थे, जिनका उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लेन-देन, ऑनलाइन ट्रांसफर एवं नकद निकासी के लिए किया जाता था।

आरोपी के पास विभिन्न बैंकों के 7-8 खाते होने की जानकारी प्राप्त हुई है।गिरफ्तारी के पश्चात आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में छत्तीसगढ़ लाया जा रहा था। इसी दौरान दिनांक 20.06.2026 को केरल राज्य के मलाबार क्षेत्र स्थित एक लॉज से पुलिस जवानों को चकमा देकर आरोपी फरार हो गया था। तत्काल स्थानीय थाना में सूचना देकर अपराध दर्ज कराया गया तथा लगातार प्रयासों के बाद दिनांक 21.06.2026 को आरोपी को पुनः गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपी अभिनव श्रीनिवास ने बताया कि उसने अपने परिचितों एवं अन्य व्यक्तियों के नाम से बैंक खाते खुलवाकर साइबर ठगी से प्राप्त राशि को उन खातों में प्राप्त किया तथा कमीशन के बदले राशि को अन्य माध्यमों से आगे भेजता था। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि वह प्राप्त रकम को क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से अन्य व्यक्तियों तक पहुंचाने का कार्य करता था तथा इसके एवज में कमीशन प्राप्त करता था। इसी प्रकार आरोपी मुहम्मद साहिल द्वारा भी अपने बैंक खाते का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लेन-देन एवं निकासी के लिए किए जाने की बात स्वीकार की गई। आरोपियों से पूछताछ के दौरान साइबर ठगी नेटवर्क से संबंधित महत्वपूर्ण डिजिटल एवं वित्तीय जानकारियां प्राप्त हुई हैं, जिनके आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश एवं जांच जारी है।

न्यायिक रिमांड-गिरफ्तार आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें दिनांक 27.06.2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। प्रकरण में अन्य फरार एवं वांछित आरोपियों की पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है।

कांग्रेस जांच समिति के दबाव में जागा कृषि विभाग- रेखचंद जैन

अनन्या कृषि केंद्र के निजी गोदाम में हुई उर्वरक चोरी

खाद की कीमतों में 40त्र की बढ़ोतरी से किसान बेहाल, उड़ीसा से ब्लैक में खरीदने को मजबूर

बड़ी-बड़ी डींगें हांकने वाली भाजपा सरकार किसानों को धान का ?4000 समर्थन मूल्य दे

जगदलपुर। राजीव भवन जगदलपुर में ग्राम नानगुर में उर्वरक की चोरी को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता को सात सदस्यी जांच समिति, नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी व शहर महामंत्री अभिषेक नायडू की उपस्थिति में पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने संबोधित करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में कृषि क्षेत्र पूरी तरह संकट में है और किसानों के साथ खुलेआम अन्याय हो रहा है, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने उर्वरक घोटाले का भंडाफोड़ करते हुए बताया कि 'अनन्या कृषि केंद्र' के निजी गोदाम को कृषि विभाग द्वारा अनियमितताओं के चलते सील किया गया था। लेकिन घोर लापरवाही और प्रशासनिक नाकामी का परिचय देते हुए, पंचनामा बनाकर वह गोदाम उन्हीं आरोपियों के सुपुर्द कर दिया गया, और इसकी भनक पुलिस विभाग तक को नहीं लगने दी गई।उन्होंने आंकड़ों के साथ खुलासा कर कहा कि:गोदाम में रखी 338 बोरी पोटाश का कोई वैध दस्तावेज नहीं था।

1320 बोरी यूरिया को रिपा गोठान में रखा गया था, जो सीलबंद था।आरोपियों ने बेखौफ होकर इस सरकारी सील को तोड़ा और पूरी खाद को अवैध रूप से बाजार में बेच दिया।श्री जैन ने कहा कि इस पूरे घोटाले को दबाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन जैसे ही कांग्रेस ने मामले की जांच के लिए अपनी समिति गठित की, कृषि विभाग की नींद टूटी। कांग्रेस जांच समिति के दबाव में आकर विभाग ने आनन-फानन में जांच दल बनाया और एफआईआर दर्ज कराई। मामले में दो लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर अनन्या कृषि केंद्र के संचालक का लाइसेंस निरस्त किया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर विभाग अब तक किस दबाव में शांत बैठा था? पत्रकार वार्ता में रेखचंद जैन ने किसानों की आर्थिक बदहाली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों की कीमतों में 40 प्रतिशत तक की भारी वृद्धि कर दी गई है। इससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। स्थानीय स्तर पर खाद की भारी किल्लत के कारण किसानों की फसलों पर संकट मंडरा रहा है और वे पड़ोसी राज्य उड़ीसा से ब्लैक (कालेबाजार) में खाद खरीदने को मजबूर हैं।पूर्व विधायक ने भाजपा सरकार को 'किसान विरोधी' बताते हुए कहा कि सरकार केवल कागजों और बयानों में बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत इसके उलट है।

साल्हेभाट विद्यालय में तिलक-आरती, पुस्तक वितरण और न्योता भोज के साथ मनाया गया प्रवेश उत्सव

शाला प्रवेश उत्सव में बच्चों का आत्मीय स्वागत, नई शुरुआत का बना उत्सव

कांकेर । शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला साल्हेभाट में नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों, पालकों, ग्रामीणों तथा शाला परिवार की सक्रिय सहभागिता रही। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों के बीच शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया।कार्यक्रम में ग्राम सरपंच उर्मिला कुंजाम, उपसरपंच जगदेव मण्डावी, पूर्व शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष, समिति सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अतिथियों ने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक-आरती कर स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ दिखाई दे रही थी। अभिभावकों ने भी बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के इस प्रयास की सराहना की।शाला प्रवेश उत्सव के दौरान नवीन शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन भी किया गया। समिति के गठन के माध्यम से विद्यालय के विकास, शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी तथा समुदाय की सहभागिता को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सहयोग देने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नई पाठ्यपुस्तकों और गणवेशों का वितरण किया गया। बच्चों को समय पर अध्ययन सामग्री उपलब्ध होने से उनके भीतर नए सत्र के प्रति उत्साह और बढ़ गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने तथा शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय परिवार एवं उपसरपंच जगदेव मण्डावी के सहयोग से बच्चों के लिए न्योता भोज का आयोजन भी किया गया। सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण किया और इस अवसर का आनंद उठाया। न्योता भोज ने कार्यक्रम को उत्सव का स्वरूप प्रदान कर दिया। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों और ग्रामीणों ने भी इस पहल की प्रशंसा की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव का मुख्य उद्देश्य बच्चों में विद्यालय के प्रति आकर्षण और लगाव बढ़ाना है।

साथ ही समुदाय को शिक्षा से जोड़कर विद्यालय को सामाजिक विकास का केंद्र बनाना भी इसका महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

शीतलपुर में गर्भवती महिला से दुष्कर्म का आरोप, आरोपी गिरफ्तार, लोहत्तर पुलिस की त्वरित कार्रवाई, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया आरोपी

कांकेर। जिले के लोहत्तर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गर्भवती महिला से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है, वहीं पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई कर आरोपी को कानून के शिकंजे में ले लिया।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 जून 2026 को पीड़िता अपने पति के साथ थाना लोहत्तर पहुंची और लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि शीतलपुर निवासी 20 वर्षीय जितेंद्र मेरिया ने रात्रि के समय घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी को उसके गर्भवती होने की जानकारी थी, इसके बावजूद उसने वारदात को अंजाम दिया।प्रार्थिया की रिपोर्ट के आधार पर थाना लोहत्तर में अपराध क्रमांक 06/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1), 64(2)(ढ), 333 एवं 351(2) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी और आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई।पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शेर बहादुर सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने आरोपी की खोजबीन शुरू की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने शीतलपुर और आसपास के क्षेत्रों में घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने विधिवत कार्रवाई करते हुए 24 जून 2026 की शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अगले दिन 25 जून को उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों को अत्यंत गंभीरता से लिया जाता है और ऐसे मामलों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। इस प्रकरण में भी पुलिस ने शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस सभी पहलुओं पर बारीकी से पड़ताल कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए साक्ष्यों के आधार पर मजबूत विवेचना की जा रही है ताकि न्यायालय में प्रभावी रूप से प्रकरण प्रस्तुत किया जा सके।

दूरस्थ कावड़गांव में पहुंची स्वास्थ्य सेवा, सीआरपीएफके शिविर में ग्रामीणों का हुआ उपचार

85वीं बटालियन ने लगाया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, जांच के साथ दवाइयों का किया वितरण

बीजापुर। नक्सल प्रभावित रहे दूरस्थ ग्राम कावड़गांव में बुधवार को 85वीं बटालियन सीआरपीएफ ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं। शिविर में कावड़गांव सहित आसपास के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश उरांव की उपस्थिति रही। शिविर के दौरान वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की तथा विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों को चिकित्सकीय परामर्श दिया। वर्षा ऋतु को देखते हुए ग्रामीणों को दूषित पानी के सेवन से होने वाली बीमारियों, संक्रमण और मौसमी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी गई। चिकित्सकों ने स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के उपयोग पर विशेष जोर दिया। सीआरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य ग्रामीणों तक बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करना है। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में इस प्रकार के शिविर काफी लाभदायक साबित हो रहे हैं। शिविर में कंपनी कमांडर निरीक्षक अनिल कुमार सहित बटालियन के अन्य अधिकारी एवं जवान भी मौजूद रहे।

कांकेर की ऐतिहासिक पुरानी कचहरी बनी शिक्षा और संस्कृति का नया केंद्र

प्रतिदिन हजारों सपनों को मिल रही नई उड़ान, युवाओं के भविष्य और विरासत संरक्षण का संगम

कांकेर। जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक पुरानी कचहरी आज शिक्षा, संस्कृति और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का एक सशक्त केंद्र बनकर उभर रही है। कभी न्यायिक गतिविधियों का केंद्र रहा यह परिसर अब विद्यार्थियों की मेहनत, सफलता की कहानियों और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। जिला प्रशासन की पहल से विकसित सेंट्रल लाइब्रेरी सह मावा मोदोल आज जिले के हजारों युवाओं को अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान कर रहा है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का प्रमुख केंद्र बना मावा मोदोल-जिला प्रशासन की महत्वाकांक्षी पहल 'हमर लक्ष्य' के अंतर्गत संचालित सेंट्रल लाइब्रेरी सह मावा मोदोल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हो रहा है। यहां प्रतिदिन लगभग एक हजार विद्यार्थी अध्ययन के लिए पहुंच रहे हैं। शांत वातावरण, बेहतर अध्ययन सुविधाएं और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के कारण यह केंद्र युवाओं की पहली पसंद बन चुका है।वर्तमान में यहां छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए मैराथन क्लासेस भी आयोजित की जा रही हैं, जिससे बड़ी संख्या में युवा लाभान्वित हो रहे हैं।

सफलता की नई इबारत लिख रहे कांकेर के युवा-इस अध्ययन केंद्र की सबसे बड़ी उपलब्धि यहां से निकलने वाली सफलता की कहानियां हैं। अब तक इस केंद्र से अध्ययन कर चुके 89 युवाओं ने विभिन्न शासकीय सेवाओं में चयन हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि बेहतर मार्गदर्शन और संसाधनों की उपलब्धता का भी प्रमाण है।युवाओं का कहना है कि पुस्तकालय में उपलब्ध अध्ययन सामग्री, नियमित मार्गदर्शन और सकारात्मक माहौल उन्हें अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि यह केंद्र आज जिले के युवाओं के बीच विश्वास और उम्मीद का प्रतीक बन चुका है।

शिक्षा के साथ संस्कृति संरक्षण का भी सशक्त माध्यम-पुरानी कचहरी परिसर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। परिसर में स्थापित कोयाबाना आदिवासी संग्रहालय स्थानीय जनजातीय जीवन, संस्कृति, परंपराओं और इतिहास को सहेजने का कार्य कर रहा है।

संग्रहालय में प्रदर्शित सामग्री नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का माध्यम बन रही है। यहां आने वाले विद्यार्थी और पर्यटक आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं और जीवनशैली को नजदीक से जानने का अवसर प्राप्त करते हैं।

गोंडी और हल्बी भाषा सीख रही नई पीढ़ी-मातृभाषा और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के उद्देश्य से परिसर में गोंडी एवं हल्बी भाषा का प्रशिक्षण भी संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 80 विद्यार्थी इन भाषाओं का अध्ययन कर रहे हैं।भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल स्थानीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। विद्यार्थियों में भी अपनी मातृभाषा सीखने और समझने को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है।

ऐतिहासिक धरोहर से आधुनिक ज्ञान केंद्र तक का सफर-पुरानी कचहरी परिसर का ऐतिहासिक प्रवेश द्वार, सुंदर उद्यान, हरियाली और स्वच्छ वातावरण इसकी विशेष पहचान है। अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावक और पर्यटक भी परिसर की सुंदरता और व्यवस्थाओं की सराहना करते हैं।

राष्ट्रीय सह साधन छात्रवृत्ति परीक्षा में कोदागांव के तीन विद्यार्थियों ने रचा सफलता का इतिहास

कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास से क्षितिज, पायल व सुमित ने हासिल की उपलब्धि

कांकेर। शिक्षा सत्र 2025-26 की राष्ट्रीय सह साधन छात्रवृत्ति (एनएमएमएस) परीक्षा के घोषित परिणामों में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोदागांव के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र क्षितिज भास्कर, छात्रा पायल निषाद तथा छात्र सुमित नरेटी का चयन राष्ट्रीय सह साधन छात्रवृत्ति परीक्षा में हुआ है। तीनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, अभिभावकों तथा पूरे गांव में खुशी का माहौल है। विद्यार्थियों की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि संसाधनों की कमी कभी भी प्रतिभा के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर किए जाएं।

सफलता के पीछे शिक्षकों की मेहनत और विशेष रणनीति-विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश सेवता के नेतृत्व में विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया। परीक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमित अध्ययन के साथ-साथ छुट्टियों के दिनों में भी विशेष कोचिंग कक्षाओं का आयोजन किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को विषयवार तैयारी कराई तथा ऑनलाइन माध्यम से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा। कठिन विषयों और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे विद्यार्थियों की विषयगत समझ मजबूत हुई। शिक्षकों द्वारा अपनाई गई इस रणनीति का सकारात्मक परिणाम परीक्षा परिणामों में देखने को मिला।

लगातार तीसरे वर्ष भी कायम रही सफलता की परंपरा-कोदागांव विद्यालय पिछले कई वर्षों से शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। राष्ट्रीय सह साधन छात्रवृत्ति परीक्षा के अलावा सैनिक विद्यालय प्रवेश परीक्षा तथा प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षाओं में भी यहां के विद्यार्थी लगातार सफलता अर्जित कर रहे हैं। पिछले तीन वर्षों से विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा रहा है, जिससे विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शिक्षकों की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विद्यालय की यह उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर, अभिभावकों में गर्व-तीनों विद्यार्थियों की सफलता की खबर सामने आते ही कोदागांव सहित आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल बन गया। ग्रामीणों और अभिभावकों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। अभिभावकों ने विद्यालय के शिक्षकों और प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों की मेहनत और मार्गदर्शन के कारण ही बच्चों को यह सफलता प्राप्त हुई है। विद्यार्थियों की उपलब्धि ने अन्य बच्चों में भी प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाया है।

शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने दी शुभकामनाएं-संकुल प्राचार्या रिजवाना कुरैशी ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मेहनत और लगन का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। इस अवसर पर संकुल समन्वयक कनस नेताम, संतोषी प्रयाग, अनिल सिन्हा, टेश्वर लाल भुआर्य, आकाश शर्मा सहित विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों को बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पंचूराम नायक, सरपंच दूजबाई नेताम तथा गांव के गणमान्य नागरिक दयाराम आरदे, मधुसूदन साहू, दीनू पटेल, लादूराम पटेल, हेमंत साहू, भारत पटेल और भावेश आरदे ने भी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कोदागांव विद्यालय के विद्यार्थियों की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उचित मार्गदर्शन, नियमित अध्ययन और दृढ़ संकल्प के बल पर बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अंबिकापुर नगरपालिक निगम में हुई नामांकित पार्षदों की नियुक्ति समाज सेवी करताराम गुप्ता व संतोष दास सहित 9 को मिला सम्मान

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन व विकास विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में नामांकित पार्षदों (एल्डरमैन) की नियुक्ति कर दी गई है। इसी क्रम में अंबिकापुर

नगरपालिक निगम में 9 नामांकित पार्षदों की नियुक्ति की गई है, जिसमें करता राम गुप्ता, राज बहादुर शास्त्री, श्रीमती सावित्री जयसवाल, संतोष दास, रमेश जयसवाल, तेजिंदर बग्गा, श्रीमती किरण सोनी, शरद सिन्हा, श्रीधर केशरी इत्यादि प्रमुख हैं। नगर के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों व युवा चेहरों को अवसर मिलने से भाजपा कार्यकर्ताओं व आम जनों में हर्ष व्याप्त है। भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने इस नियुक्ति पर नामांकित पार्षदों को बधाई प्रेषित करते हुए उनसे जनसरोकार के प्रति समर्पण के साथ अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु काम करने का आह्वान किया है।

विकासखंड शाला प्रवेशोत्सव का हुआ आयोजन,कैबिनेट मंत्री और विधायक रहे मौजूद,नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगा किया गया स्वागत

लखनपुर विकासखंड अंतर्गत विभिन्न स्कूलों के नव प्रवेशी बच्चों का के शाला प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम स्थानीय सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया जहाँ इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन राजेश अग्रवाल और लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती माता के छायाचित्र पे माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जहाँ नव प्रवेशी स्कूली बच्चों के द्वारा मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया तो वहीं दूसरी ओर मुख्य अतिथियों का स्वागत बैच लगाकर तथा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने शिक्षा व्यवस्था के बेहतर क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा की हमारी सरकार सभी बच्चों के बेहतर शिक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है तथा शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में आज कई स्कूलों के बच्चों के शाला प्रवेश का कार्यक्रम रखा गया है जहाँ इन सभी बच्चों के शाला प्रवेश के साथ ही इनके बेहतर भविष्य को सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक बेहतर प्रयास है। इस दौरान उपस्थित बच्चों तथा जनप्रतिनिधियों को लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने भी संबोधित किया जहाँ विधायक ने अपने संबोधन में कहा की आज इस शाला प्रवेशोत्सव के साथ ही ये बच्चे अपने अपने जीवन में एक कदम बढ़ा रहे हैं जहाँ अब ये बच्चे अपने समाज अपने देश और खुद को बेहतर बनाने की दिशा में एक क़दम बढ़ायेंगे। बच्चों के जीवन में शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए विधायक ने कहा कि हमारी सरकार के द्वारा बच्चों के स्कूल में प्रवेश को एक उत्सव की तरह मनाने का निर्णय एक सार्थक पहल है जहाँ हम सभी जगह इसे एक उत्सव की तरह मना रहे हैं। किसी नए कक्षा या किसी नए स्कूल में जाना बच्चों के लिए काफ़ी खुशी का पल होता है ऐसे में हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों सहित शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक संजय गुप्ता सहित विकासखंड शिक्षा अधिकारी और स्कूली शिक्षक -शिक्षिकायें और अभिभावक मौजूद रहे। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू जनपद अध्यक्ष श्रीमती शशि कला विक्रम सिंह, उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े राकेश अग्रवाल भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू ,राजेंद्र जयसवाल दिनेश बारी ,विक्रम सिंह, राकेश साहू, महेश्वर राजवाड़े सहित जिले व ब्लाक के अधिकारी मौजूद रहे।

छात्रावासों में रोल मॉडल तैयार करें, बच्चों को दें बेहतर एवं स्वस्थ माहौल: कलेक्टर अजीत वसंत

शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम,गुणवत्तापूर्ण भोजन और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिया

- प्रत्येक छात्रावासों में सीसीटीवी, कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के निर्देश
- ट्राइबल विभाग अंतर्गत संचालित छात्रावास एवं आश्रमों की संचालन व्यवस्था की कलेक्टर ने की समीक्षा

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ट्राइबल विभाग अंतर्गत संचालित छात्रावासों, आश्रमों एवं आवासीय विद्यालयों की संचालन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं छात्रावास अधीक्षकों को छात्रावासों में रोल मॉडल तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावास केवल रहने की व्यवस्था तक सीमित न रहें, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, संस्कार एवं सुरक्षित वातावरण के उत्कृष्ट केंद्र बनें। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री ललित शुक्ला ने बताया कि जिले में वर्तमान में 139 शासकीय छात्रावास-आश्रम एवं 12 आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री वसंत ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों की जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि छात्रावास में निवासरत कोई भी विद्यार्थी अनुत्तीर्ण नहीं होना

चाहिए। सभी अधीक्षक लक्ष्य निर्धारित कर विद्यार्थियों की नियमित शैक्षणिक मॉनिटरिंग करें तथा अतिरिक्त अध्ययन, मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराकर शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता, पेयजल, निर्बाध विद्युत व्यवस्था, खेल सामग्री, टेलीविजन, समाचार पत्र, इनवर्टर सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक विषयों की जानकारी विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिदिन समाचार बुलेटिन देखने तथा समाचार पत्र पढ़ने की आदत विकसित कराने पर विशेष जोर दिया। साथ ही निर्माण हो रहे 18 छात्रावासों को तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करने को निर्देशित किया। बैठक में छात्रावास परिसरों में किचन गार्डन एवं बागवानी विकसित करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

हरित खाद के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने किसानों को किया जा रहा जागरूक: डॉ. संदीप

- ढैंचा, सनई एवं मूंग जैसी दलहनी फसलों के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में होगा सुधार, रासायनिक उर्वरकों पर घटेगी निर्भरता

अम्बिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं निदेशक विस्तार डॉ. एस. एस. टुटेजा के निर्देशानुसार तथा कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को हरित खाद (ग्रीन मैन्योरिंग) के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य टिकाऊ एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि करना है। कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को हरित खाद के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि ढैंचा, सनई एवं मूंग जैसी दलहनी फसलों को 40 से 45 दिनों की अवस्था में खेत में पलटकर हरित खाद के रूप में उपयोग किया जाता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि ढैंचा, सनई एवं मूंग जैसी दलहनी फसलें राइजोबियम जीवाणुओं की सहायता से वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर लगभग 50 से 55 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर भूमि में उपलब्ध कराती हैं। इससे मिट्टी में जैविक कार्बन एवं नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ती है, जिसके परिणामस्वरूप मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होती है तथा रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि हरित खाद के उपयोग से मिट्टी की संरचना में सुधार, जल धारण क्षमता में वृद्धि तथा लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ती है।

कृषि विज्ञान केंद्र अजीरमा में कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित की गई

- कम वर्षा की स्थिति में खरीफफसलों के बेहतर प्रबंधन एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की दी गई जानकारी

अम्बिकापुर। आत्मा योजनांतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), अजीरमा, जिला सरगुजा में एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में क्षेत्र के 27 प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने किसानों को आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों, कम वर्षा की स्थिति में खेती के प्रबंधन तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्रदान की। परिचर्चा को संबोधित करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा तथा वैज्ञानिक श्री पांडु राम पैकरा ने अलनीनो के संभावित प्रभाव एवं कम वर्षा की परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को कम अवधि एवं कम पानी में तैयार होने वाली फसलों एवं उन्नत किस्मों का चयन करने, जल संरक्षण की तकनीकों को अपनाने तथा कतारबद्ध बुवाई करने की सलाह दी। साथ ही सुगंधित धान की उन्नत खेती, उसकी गुणवत्ता एवं बाजार में उपलब्ध बेहतर मूल्य की संभावनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों श्री प्रभात प्रधान, श्री विनोद पैकरा, श्री राकेश कर्नल, श्री रामजन तथा श्री शैलेन्द्र लाल ने किसानों को खरीफ सीजन की पूर्व तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानसून आगमन से पूर्व खेतों की गहरी जुताई करने से खरपतवार एवं कीटों का प्रभाव कम होता है तथा मिट्टी में नमी संरक्षण बेहतर होता है।

मनोरा में बैंक एवं मुद्रा लिंकेज मेले का आयोजन, 200 स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने लिया भाग

जशपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत जनपद पंचायत मनोरा के सभागार में बैंक लिंकेज एवं मुद्रा लिंकेज मेले का आयोजन किया गया। मेले में विकासखंड के विभिन्न स्व-सहायता समूहों की करीब 200 महिलाओं ने भाग लेकर स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड मनोरा के विभिन्न बैंकों द्वारा 64 मुद्रा ऋण प्रकरणों में 56.40 लाख रुपये तथा 75 स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज ऋण के रूप में 1.87 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति एवं वितरण किया गया। मेले का उद्देश्य स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ना, स्वरोजगार को बढ़ावा देना तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना था। कार्यक्रम में बैंक प्रतिनिधियों ने विभिन्न ऋण योजनाओं और वित्तीय सहायता संबंधी जानकारी भी साझा की। इस अवसर पर जनपद सदस्य रंजीत भगत, अमीन खान, राकेश तिवारी, रघुनाथ राम, जनपद पंचायत मनोरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रवि बघेल, बिन्सेंट तिर्की, विभिन्न बैंकों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं। आयोजकों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय संसाधनों तक पहुंच आसान होती है और वे अपने स्वरोजगार एवं आजीविका गतिविधियों का विस्तार कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं।

अधिक दर पर खाद बिक्री पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, 3219 बोरी उर्वरक जब्त,विक्रय केंद्र सील

अंबिकापुर। जिला कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देश एवं उप संचालक कृषि श्री पीतांबर सिंह दीवान के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज नेहरूनगर (डीगमा), अंबिकापुर स्थित एक उर्वरक विक्रय केंद्र पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3219 बोरी उर्वरक जब्त कर विक्रय केंद्र को सील कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीएम हेल्पलाइन 1076 में एक कृषक द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नेहरूनगर (डीगमा) स्थित मेसर्स सरगुजा कृषि राय केंद्र द्वारा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक (खाद) का विक्रय किया जा रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कृषि विभाग द्वारा तत्काल जांच कराई गई। जांच के दौरान शिकायतकर्ता कृषक के बयान तथा उर्वरक क्रय के लिए किए गए ऑनलाइन भुगतान के डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर अधिक दर पर उर्वरक बिक्री किए जाने की पुष्टि हुई। शिकायत सही पाए जाने पर 25 जून 2026 को कृषि विभाग की जिला स्तरीय टीम ने संबंधित विक्रय केंद्र पर औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान परिसर में उपलब्ध संपूर्ण उर्वरक को जब्त कर लिया गया तथा विक्रय केंद्र के परिसर को सील कर दिया गया। कृषि विभाग की इस कार्रवाई से उर्वरक विक्रेताओं में हड़कंप मच गया है। औचक निरीक्षण एवं सीलिंग की कार्रवाई के दौरान सहायक संचालक कृषि श्री कुंवर साय पैंकरा, उर्वरक निरीक्षक श्री जे. आलम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री सीताराम भगत सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई भी विक्रेता किसानों से अधिक राशि वसूलते पाया गया, तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सरगुजा पुलिस द्वारा चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों समेत महत्वपूर्व व्यापारिक संस्थान,ज्वेलर्स दुकान संचालको की ली गई संयुक्त बैठक

- बड़े संस्थानों मे हाई प्रीक्वेंसी के सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्टोरेज अधिक रखने समेत सुरक्षा गार्ड की तैनाती एवं आपातकालीन अलार्म सिस्टम लगाने किया गया निर्देशित।
- व्यापारिक संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, आपराधिक घटनाओ मे कमी लाने एवं नगर सुरक्षा मे व्यापारी वर्ग की सक्रिय साझेदारी रखने बैठक का हुआ आयोजन।

सरगुजा। व्यापारिक संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, आपराधिक घटनाओ मे कमी लाने एवं नगर सुरक्षा मे व्यापारी वर्ग की सक्रिय साझेदारी एवं सहयोग बनाये रखने हेतु डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा. पु. से.) द्वारा चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों समेत ज्वेलर्स दुकान संचालको एवं अन्य व्यापारिक संस्थानों के संचालको की बैठक लेकर नगर सुरक्षा के सम्बन्ध मे आवश्यक चर्चा कर आम सहमति बनाने के दिशा निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम मे आज़ दिनांक को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों एवं नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर श्री राहुल बंसल (भा.पु.से.) द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष मे चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों समेत महत्वपूर्ण व्यापारिक संस्थानों, ज्वेलर्स दुकान संचालको की संयुक्त बैठक ली गई। बैठक मे निम्न विषयो पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई एवं नगर सुरक्षा मे सभी ने अपना सहयोग देने

हेतु प्रतिबद्धता जताई गई। (01) दुकानों एवं संस्थाओं के सामने उच्च गुणवत्ता के सी.सी.टी.व्ही. कैमरा लगाने, कैमरे की टाईमिंग को सही रखने और मेमोरी स्टोरेज अधिक से अधिक समय तक का रखने पर आम सहमति बनी। (02) व्यापारियों के सहयोग से चौक-चौराहों पर आधुनिक सी.सी.टी.व्ही. कैमरा लगाने एवं पहले से लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरो के संधारण पर चर्चा हुई एवं आम सहमति बनी। (03) संस्थान के अन्दर प्रवेश करने वाले ऐसे ग्राहक जिनका चेहरा ढका हो, हेलमेट लगाये हो अथवा मास्क पहनकर बैठे हो उनपर विशेष ध्यान दिया जाए। (04) संस्थानों से बड़े रकम एवं सोने-चांदी को लाने और ले जाने के समय विशेष सावधानी एवं सतर्कता रखें, ध्यान रखें कि कोई आपका पीछा तो नहीं कर रहा है? (05) सभी दुकानों/संस्थानों में आपातकालीन स्थिति के लिए निकटतम थाना, पुलिस कन्ट्रोल रूम एवं फायर ब्रिगेड कन्ट्रोल रूम का मोबाईल नंबर अवश्य रखें ताकि समय पर जानकारी दे सकें तथा आपके संस्थान जो भी सुरक्षा गार्ड दिन/रात में रहते हैं उनके पास यह आपातकालीन नंबर अवश्य रहे। साथ ही संस्थानों मे आपातकालीन अलार्म सिस्टम लगाने का प्रयास करें। (06) सभी दुकानों/संस्थानों में जो भी कर्मचारी रखते हैं उनका विधिवत पुलिस वेरिफिकेशन अवश्य कराया जाए। बैठक मे चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों समेत ज्वेलर्स दुकान संचालक एवं बड़ी संख्या मे नगर के व्यापारीगण समेत सायबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल रंग लाई: बोड़ालाता गांव में बदला ट्रांसफार्मर

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से विकासखंड कुनकुरी के ग्राम पंचायत दाराखरिका के आश्रित ग्राम बोड़ालाता में लंबे समय से बाधित बिजली आपूर्ति पुनः शुरू हो गई है। खराब ट्रांसफार्मर को बदलने के बाद गांव में विद्युत व्यवस्था सुचारू हो गई है, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत दाराखरिका के सरपंच ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन देकर अवगत कराया था कि ग्राम बोड़ालाता में लगा ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पूरे गांव की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। इससे ग्रामीणों को दैनिक कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने यह भी बताया था कि क्षेत्र हाथी प्रभावित है और बारिश का मौसम शुरू होने वाला है। अंधेरे के कारण जंगली हाथियों की गतिविधियों तथा विषैले जीव-जंतुओं से खतरा बढ़ने की आशंका थी। ऐसे में ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद विद्युत विभाग ने त्वरित पहल करते हुए खराब ट्रांसफार्मर को बदल दिया, जिससे गांव में बिजली आपूर्ति पुनः बहाल हो गई। बिजली व्यवस्था सामान्य होने पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

कंफ्यूजन खत्म 30 जुलाई से शुरू होगा सावन

जानें कब से शुरू करें 16 सोमवार का व्रत

सनातन धर्म में सावन का महीना बहुत पावन माना जाता है. ये माह देवों के देव महादेव को समर्पित किया गया है. सावन हिंदी पंचांग का पांचवां महीना माना जाता है. इस माह में प्रकृति हरियाली की चादर ओढ़कर रखती है. ये आस्था और भक्ति का सबसे पवित्र समय होता है. सावन में शिव जी की पूजा का विशेष महत्व शास्त्रों में वर्णित है. इस माह में भगवान शिव का विशेष रूप से जलाभिषेक किया जाता है. पौराणिक मान्यता है कि महादेव ने सावन के माह में सागर मंथन से निकला विष पिया था.विष को पीने के बाद महादेव के शरीर में गर्मी बढ़ने लगी थी. तब इसी माह में देवताओं ने महादेव के शरीर को ठंडक प्रदान करने के लिए जल चढ़ाया था, तभी से महादेव को ही सावन में जल चढ़ाने की परंपरा की पंरपरा शुरू हो गई. द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल सावन का माह 30 जुलाई को प्रारंभ होगा और 28 अगस्त को सावन पूर्णिमा के साथ ही इस माह का समापन होगा. सावन माह में सोमवार के व्रत का विशेष महत्व है. आइए जानते हैं कि 16 सोमवार का व्रत कब से शुरू करें?

सावन में लें 16 सोमवार के व्रत का संकल्प

16 सोमवार के व्रत का संकल्प लेने का सबसे शुभ समय सावन माह ही माना जाता है।अगर आप 16 सोमवार के व्रत का संकल्प लेना चाहते हैं, तो 30 जुलाई को इस साल सावन के पहले सोमवार पर लें।इस दिन से आप 16 सोमवार के व्रत रख सकते हैं।

सावन 2026 में कब-कब सोमवार?

पहला सावन सोमवार : 3 अगस्त 2026

दूसरा सावन सोमवार : 10 अगस्त 2026

तीसरा सावन सोमवार : 17 अगस्त 2026

चौथा सावन सोमवार : 24 अगस्त 2026

ये व्रत क्यों माना जाता है विशेष?

16 सोमवार व्रत सावन मे शुरू करने से सांसारिक सुख प्राप्त होते हैं। साथ ही आत्मिक शुद्धि होती है।पूर्व जन्मों के पापों का नाश होता है और मानसिक-अध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है। मान्यता है कि 16 सोमवार के व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस व्रत के प्रभाव से मनचाहा जीवनसाथी मिलता है।वैवाहिक जीवन में प्रेम बना रहता है।

आज है साल का आखिरी शनि प्रदोष व्रत

हर माह में कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन प्रदोष का व्रत रखा जाता है।ये व्रत भगवान शिव को समर्पित किया गया है।प्रदोष का व्रत जिस दिन पड़ता है, उस दिन के वार के नाम पर इसको जाना जाता है।इस व्रत की महिमा का वर्णन शिव पुराण समेत अनेक पुराणों में किया गया है।इस व्रत में प्रदोष काल का महत्व बहुत अधिक होता है।प्रदोष काल में ही शिव-पार्वती का पूजन किया जाता है।धार्मिक मान्यता है कि प्रदोष का व्रत रखने और पूजन करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।भगवान की कृपा से जीवन के सारे कष्ट कट जाते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।यही नहीं मृत्यु के बाद आत्मा को शिव धाम में स्थान मिलता है।27 जून यानी कल शनिवार के दिन शनि प्रदोष व्रत है।खास बात ये है कि कल साल 2026 का आखिरी शनि प्रदोष व्रत है।आइए जानते हैं शनि प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त और विधि।

व्रत पूजा मुहूर्त

शनि प्रदोष व्रत पर कल शिव जी के पूजन का शुभ मुहूर्त शाम को 07 बजकर 23 मिनट शुरू होगा।शिव जी की पूजा का ये शुभ मुहूर्त रात मे 09 बजकर 23 मिनट तक रहेगा।कल शिव पूजन के लिए भक्तों को 02 घंटे 01 मिनट का समय प्राप्त होगा।

व्रत पूजा विधि

शनि प्रदोष व्रत के दिन सुबह स्नान करके व्रत का संकल्प लें।फिर शाम के समय प्रदोष काल में भगवान शिव, माता पार्वती और नंदी महाराज की पूजा करें।शिवलिंग पर जल, गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और सफेद फूल अर्पित करें।इसके बाद ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप और शिव चालीसा या शिव स्तुति का पाठ करें।इस दिन शनि देव को सरसों का तेल अर्पित करें और जरूरतमंद लोगों को दान दें।

तिरुपति बालाजी में 1000 श्रद्धालु रोज कर सकेंगे फ्री में दर्शन

प्रसाद का लड्डू भी मिलेगा निशुल्क

आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित तिरुमाला मंदिर को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया है. भगवान विष्णु के अवतार श्री वेंकटेश्वर स्वामी यानी तिरुपति बालाजी के दर्शन के संबंध में तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा है कि रोज 1000 वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को निशुल्क दर्शन की सुविधा दी जाएगी. इसके लिए तीन महीने पहले ऑनलाइन टिकट बुक करने की सलाह दी गई है. इससे भगवान के दर्शन बिना किसी परेशानी के संभव हो सकेंगे.

टीटीडी की ओर से कहा गया है कि टिकट लेने वालों को 50 रुपये का प्रसाद का लड्डू भी दिया जाएगा . यह स्पष्ट किया गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को तिरुमाला के नम्बी मंदिर में दोपहर 3 बजे विशेष दर्शन कतार के माध्यम से दर्शन की अनुमति दी जाएगी . वरिष्ठ नागरिकों के दर्शन के संबंध में सोशल मीडिया पर किए जा रहे दुष्प्रचार पर विश्वास न करने की सलाह दी गई है . भक्तों को बिचौलियों की बातों में नहीं आना चाहिए . हाल ही में, कुछ बिचौलिए श्रीवारी दर्शन और आवास के नाम पर श्रद्धालुओं को ठग रहे हैं . ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं . कुछ श्रद्धालु उनके धोखे में आकर ठगे जा रहे हैं . इसके मद्देनजर, टीटीडी ने ऐसे लोगों से सावधान रहने की सलाह दी है . अगर कोई उनसे दर्शन और आवास टिकट दिलाने का वादा करके संपर्क करता है, तो शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है .

TTD ने हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने की दी सलाह

टीटीडी ने श्रद्धालुओं से हेल्पलाइन नंबर 155257 पर कॉल करने को कहा है . चेतावनी दी गई है कि बिचौलियों और दलालों की बातों में न आएं और पैसे न वसूलें, पकड़े जाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी . टीटीडी ने बिचौलियों पर विशेष ध्यान दिया है . टीटीडी ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों के दर्शन के संबंध में सोशल मीडिया पर किया जा रहा दुष्प्रचार पूरी तरह से झूठा है और श्रद्धालुओं को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए .

आज का राशिफल

मेष राशि - आपकी राशि के तृतीय भाव से चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे। करियर में आपको अपनी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग बना रहेगा। बिजनेस में नई योजनाएं फलित होंगी और आर्थिक लाभ के योग बनेंगे। लव लाइफ में साथी के साथ घरेलू बातों को लेकर थोड़े मतभेद हो सकते हैं, धैर्य से काम लें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और माता-पिता की सेहत का ख्याल रखें।

वृषभ राशि - बिजनेस में नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। लव लाइफ मे साथी के साथ संबंध और अधिक मधुर होंगे और आप एक-दूसरे को बेहतर समझ पाएंगे। स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक रहेगा और आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। कल का दिन नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए बहुत अच्छा है। सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें, कल का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आएगा।

मिथुन राशि - आपके नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। बिजनेस में लाभ के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। लव लाइफ में साथी के साथ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप मन से भी काफी प्रसन्न रहेंगे। कल आपका आत्मविश्वास बहुत ऊंचा रहेगा। जो भी काम आप हाथ मे लेंगे, उसे समय पर और बेहतर ढंग से पूरा करेंगे।

कर्क राशि - आपके पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिजनेस में नई योजनाएं सफल होंगी और व्यापारिक सौदों में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बहुत ही सुंदर रहेगा और आपसी प्रेम गहरा होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा। कल कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान एक कुशल रणनीतिकार के रूप में बनेगी।

सिंह राशि - चंद्रमा आपकी राशि के एकादश भाव से द्वादश भाव में प्रवेश करेगा। करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और आपके रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। बिजनेस मे कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा। लव लाइफ में साथी के साथ आपका रिश्ता और भी गहरा होगा। स्वास्थ्य के प्रति आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे, ऊर्जा का संचार बना रहेगा।

कन्या राशि - करियर में सहकर्मियों से सतर्क रहें और फालतू की बातों में समय न गंवाएं। बिजनेस में अभी किसी भी प्रकार के बड़े निवेश को टालना ही बेहतर होगा। लव लाइफ में साथी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, उनका ध्यान रखें। स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्याओं के प्रति सचेत रहें और हल्का भोजन लें।

तुला राशि-साझेदारी वाले कार्यों से लाभ मिलने की संभावना है। बिजनेस में अपने प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखें और योजनाबद्ध तरीके से काम करें। लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी और आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि - पुरानी मेहनत का फल मिलेगा और आपके विरोधी शांत रहेंगे। बिजनेस मे लाभ की अच्छी स्थिति बनी रहेगी। लव लाइफ में साथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे की बातों को बेहतर समझेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा और आप नई स्फूर्ति का अनुभव करेंगे।

धनु राशि- आपके रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी और आप अपने काम में निखार ला पाएंगे। बिजनेस में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है, बशर्ते आप सही योजना बनाएं। लव लाइफ में साथी के साथ हल्की-फुल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन प्रेम बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर राशि - घर-परिवार की समस्याओं के कारण कार्यस्थल पर ध्यान केंद्रित करने मे दिक्कत आ सकती है। बिजनेस में सावधानी से काम लें और कोई बड़ा फैसला न लें। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा धैर्य की जरूरत होगी। स्वास्थ्य में माता-पिता की सेहत का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ राशि- आपके साहस और मेहनत की सराहना होगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। बिजनेस में नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। लव लाइफ मे साथी के साथ रिश्ता और भी अधिक गहरा होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आप पूरी तरह से ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन राशि- धन संबंधी मामलों मे बहुत सतर्क रहें और सोच-समझकर ही पैसा खर्च करें। बिजनेस में किसी को भी बिना जांच-परख के उधार न दें। लव लाइफ में वाणी पर संयम रखें, क्योंकि आपके गलत शब्द रिश्ते में खटास पैदा कर सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से गले या आंखों का थोड़ा ध्यान रखें।

सहनशीलता का संकट : रिश्तों में संवाद हो, अपराध नहीं

आज समाज जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। हाल के दिनों में सामने आई अनेक घटनाएँ मन को झकझोर कर रख देती हैं। कहीं प्रेम संबंधों के नाम पर हत्या हो रही है, कहीं विवाह से असहमति के कारण किसी की जान ले ली जाती है, तो कहीं छोटी-सी बात पर हिंसा का विस्फोट हो जाता है।

अभी हाल ही में लोकल ट्रेन में हुई एक घटना ने भी सोचने पर मजबूर कर दिया। बारिश के कारण खिड़की खुली थी। एक यात्री ने दूसरे से केवल इतना कहा कि, 'कृपया खिड़की बंद कर दीजिए।' मामूली-सी बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट तक की नौबत आ गई और एक व्यक्ति की जान चली गई। प्रश्न यह है कि आखिर हम इतने असहिष्णु कैसे हो गए कि एक साधारण अनुरोध भी हमें क्रोधित कर देता है?

लोनावला की दुखद घटना हो या मसूरी का हत्याकांड—ये केवल अपराध नहीं है, बल्कि समाज के सामने खड़े गंभीर प्रश्न हैं। आखिर हमारी युवा पीढ़ी किस दिशा में जा रही है? क्या कारण है कि असहमति, असफलता, अस्वीकृति या मतभेद को स्वीकार करने की क्षमता लगातार कम होती जा रही है?

कहीं न कहीं आधुनिक जीवन की भागदौड़, सोशल मीडिया का प्रभाव, त्वरित सफलता की चाह और भावनात्मक असंतुलन भी इसके कारण हैं। लेकिन केवल बाहरी परिस्थितियों को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। परिवार बच्चे की पहली पाठशाला है। यदि घर में संवाद, प्रेम, धैर्य और संस्कार होंगे, तो वही गुण बच्चों के व्यक्तित्व में भी उतरेंगे।

युवाओं को समझना होगा कि यदि किसी रिश्ते को स्वीकार नहीं करना है, तो साहस के साथ 'ना' कहना सीखें। माता-पिता से बात करें, परिवार से चर्चा करें और संवाद का मार्ग अपनाएं। किसी भी परिस्थिति में हिंसा समाधान नहीं हो सकती। एक निर्दोष व्यक्ति की जान लेकर कोई भी समस्या हल नहीं होती, बल्कि अनेक परिवारों का जीवन उजड़ जाता है।

साथ ही माता-पिता को भी अपने बच्चों की भावनाओं और इच्छाओं को समझना होगा। केवल समाज, प्रतिष्ठा या परंपरा के दबाव में कोई निर्णय थोपना उचित नहीं है। जब संवाद समाप्त हो जाता है, तब त्रासदियां जन्म लेती हैं।

आज आवश्यकता है सहनशीलता, संवेदना, धैर्य और आत्मसंयम की। हमें आने वाली पीढ़ी को केवल डिग्रियां और धन नहीं देना है, बल्कि ऐसे संस्कार देने हैं जो उन्हें एक अच्छा इंसान बना सकें। क्योंकि वास्तविक शक्ति किसी को हराने में नहीं, बल्कि स्वयं के क्रोध और अहंकार पर विजय पाने में है।

याद रखिए

एक क्षण का क्रोध, जीवन भर का पश्चाताप बन सकता है,
और एक क्षण का संवाद, कई जीवन बचा सकता है।
सहनशीलता जब खो जाती है, रिश्ते टूटने लगते हैं,
क्रोध की छोटी चिंगारी से घर भी छूटने लगते हैं।
खिड़की बंद करने भर से जब झगड़े बढ़ने लगते हैं,
तब समझो मानव मन के दीपक बुझने लगते हैं।
संवादों की डोर थाम लो, मत नफरत को बढ़ने दो,
मानव हो तो मानवता को अपने भीतर रहने दो।
हर जिद पूरी हो जाए, यह जीवन का नियम नहीं,
"ना" सुनकर भी मुस्काना सीखो, यही सबसे बड़ी जीत सही।
आने वाली पीढ़ी को बस इतना उपहार दे जाएँ,
प्रेम, संस्कार और धैर्य देकर बेहतर संसार दे जाएँ।

अंत में बस इतना कहना चाहूंगी

किसी की जान लेना किसी भी समस्या का समाधान नही, बल्कि यह एक आपराधिक मनोवृत्ति का परिचायक है। यदि साहस दिखाना ही है, तो किसी की हत्या करने का नही, बल्कि समय रहते स्पष्ट शब्दों मे "ना" कहने का साहस दिखाइए। यदि शक्ति दिखानी है, तो हिंसा की नहीं, संवाद की शक्ति दिखाइए। जब परिवारों में संवाद होगा, रिश्तो मे सम्मान होगा और मन मे सहनशीलता होगी, तभी अपराधों की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

क्योंकि जहां संवाद जीवित रहता है, वहां संबंध जीवित रहते हैं; और जहां संबंध जीवित रहते हैं, वहां समाज सुरक्षित रहता है।

क्रोध में जो निर्णय लेते, वे जीवन भर रोते हैं,
संवादों के दीप जलाकर ही रिश्ते आगे होते हैं।
हिंसा से इतिहास नहीं, केवल आँसू लिखे जाते हैं,
प्रेम, धैर्य और सहनशीलता से ही समाज सुरक्षित बनते हैं।

— मंजू लोढ़ा

उठते ही मोबाइल चलाना सुबह की ये आदतें बन सकती हैं हार्ट अटैक का कारण

एक्सपर्ट ने बताया

दिल से जुड़ी बीमारियां या हेल्थ प्रॉब्लम्स अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई हैं।बिगड़ा हुआ लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, ठीक से नींद न लेना और गलत खानपान के चलते कम उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।दरअसल, सुबह का समय दिल की सेहत के लिए बेहद सेंसिटिव माना जाता है।इस दौरान ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट स्वाभाविक रूप से बढ़ने लगते हैं।ऐसे में सुबह उठते ही की गई कुछ गलतियां दिल पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा सकती हैं.लोगों को ये आदतें या गलतियां नॉर्मल लगती हैं लेकिन ये जान जाने की सिचुएशन भी पैदा कर सकती हैं।चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं कि सुबह की कौन सी गलतियां कम उम्र में हार्ट अटैक का शिकार बना देती हैं।

बिस्तर से अचानक उठ जाना

डॉ. अमर सिंघल (डायरेक्टर कार्डियोलॉजी श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट दिल्ली) कहते हैं कि कई लोग अलार्म बजते ही झटके से बिस्तर से उठ जाते हैं . लेकिन नींद से जागने के बाद शरीर को सामान्य स्थिति में आने के लिए कुछ समय चाहिए होता है . अचानक खड़े होने से ब्लड प्रेशर मे तेजी से बदलाव हो सकता है, जिससे चक्कर आना, बेचैनी या दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है . एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि जागने के बाद 1-2 मिनट बिस्तर पर बैठकर धीरे-धीरे उठें।

पानी न पीना

रातभर सोने के दौरान शरीर कई घंटों तक बिना पानी के रहता है।सुबह उठने पर शरीर हल्का डिहाइड्रेटेड हो सकता है, जिससे खून अपेक्षाकृत गाढ़ा हो जाता है और हृदय को रक्त पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है।इसलिए सुबह उठकर एक या दो गिलास सादा पानी पीना फायदेमंद माना जाता है।

सुबह उठते ही मोबाइल देखने लगना

जागते ही मोबाइल पर ईमेल, सोशल मीडिया या समाचार देखने की आदत तनाव हार्मोन कोर्टिसोल को बढ़ा सकती है।नकारात्मक खबरें या काम का दबाव सुबह से ही मानसिक तनाव पैदा कर सकता है, जिससे हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।लंबे समय तक यह आदत हृदय स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

लीची के फायदे और नुकसान

सेहत के लिए कब हो सकता है नुकसानदायक

मई जून में लीची का सीजन होता और लोग खूब लीची खाते हैं। लेकिन लीची खाने के फायदे हैं तो कुछ नुकसान भी हैं। कुछ लोगों को भूलकर भी लीची का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे उनकी सेहत पर बुरा असर हो सकता है। लीची की तासीर गर्म होती है इसलिए इसे खाने से पहले कुछ देर के लिए पानी में डालकर छोड़ दें। अगर आप लीची खाने के शौकीन हैं तो लीची खाने के फायदे और नुकसान भी जान लें।

लीची खाने के फायदे

शरीर को रखे हाइड्रेट- लीची गर्मी में आने वाला फल है, इसलिए बहुत ज्यादा जूसी होता है। इसमे पानी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। लीची खाने से गर्मियों में शरीर हाइड्रेट रहता है। इससे पानी की कमी दूर होती है।

कब्ज मे राहत- लीची में काफी रेशे होते है। इसमे फाइबर की मात्रा भी काफी ज्यादा होती है। जिन लोगों के कब्ज की समस्या रहती है उनके लिए लीची अच्छा फल है जो सुबह पेट साफ करने में मदद करता है।

बीमारियों से बचाए- गर्मी में लोग अक्सर बीमार पड़ जाते हैं। ऐसे में आपको लीची का सेवन जरूर करना चाहिए। लीची में विटामिन सी, पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

त्वचा को बनाए चमकदार- लीची में एंटीऑक्सीडेंट्स भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें पॉलीफेनोल्स जैसे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। इससे एजिंग कम होती है और त्वचा चमकदार बनती है।

लीची खाने के नुकसान

लीची में शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है। ये सबसे ज्यादा मीठे फलों की लिस्ट में आती है। ज्यादा शुगर और कैलोरी होने की वजह से लीची खाने से गठिया का दर्द ट्रिगर कर सकता है। डायबिटीज के मरीज को लीची खाने से बिल्कुल बचना चाहिए। अगर आप रोजाना ज्यादा मात्रा में लीची खाते हैं तो इससे मोटापा बढ़ने लगता है। इससे गले में खराश भी हो सकती है। अस्थमा के मरीज को अधिक लीची खाने से सांस की दिक्कत हो सकती है। इसलिए लीची का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। जिन लोगों को शुगर है उन्हें इस फल को खाने से बचना चाहिए।

करबला के शहीदों की दास्तां सुन नम हुई आंखें, तकरीर के बाद हुआ इस्तकबाल

मुहर्रम पर दस दिन के आयोजन अंतिम चरण में, आज ताजिया के साथ जुलूस की तैयारी

भिलाई। मुहर्रम के मौके पर करबला के शहीदों की याद में शहर में जारी 10 रोज को आयोजन अब अपने आखिरी दौर में है। शहर के सभी इमामबाड़ों पर परचमे इस्लाम फहराने के साथ-साथ फातिहा ख्वानी ढोल, ताशे, अखाड़े का खेल, तकरीरी प्रोग्राम, मिलाद शरीफ, नौहा व कुरआन ख्वानी चलती रही। अंजुमन हुसैनिया कमेटी की ओर से सड़क-20, जोन-1, खुर्सीपार में 8 मुहर्रम पर 24 जून की रात सैयद आलमगीर अशरफ की तकरीर रखी गई थी। बड़ी तादाद में मौजूद लोगों के बीच करबला के शहीदों का बयान करते हुए इंटरनेशनल सुन्नी सेंटर नागपुर के फाउंडर और महबूबल उलेमा फाउंडेशन किछौछा शरीफ के संस्थापक सैयद आलमगीर अशरफ ने हजरत इब्राहीम (अ.स.) से लेकर इमाम हुसैन तक का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने हजरत इब्राहीम (अ.स.) की अपने बेटे हजरत इस्माइल (अ.स.) की कुरबानी के दौरान दुम्बा (भेड़) आने का जिक्र किया वहीं उन्होंने करबला में हजरत इमाम हुसैन की कुरबानी को भी तफसील से बताया। करबला के शहीदों के बयान सुन कर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। यहां सलाम पेश किया गया और फातिहा ख्वानी भी हुई। तकरीर के बाद आयोजन कमेटी की ओर से मुख्यधारा और सोशल मीडिया के अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े नौजवानों का इस्तकबाल किया गया। अंजुमन हुसैनिया के सदर हुसैन अली अशरफी की मौजूदगी में अल्लामा आलमगीर अशरफ ने यहां डिजीटल मीडिया से शाहनवाज आलम, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से मुहम्मद शारिक अहमद खान और सोशल मीडिया से साहिल खान, अरसलान खान व आदिल हुसैन का इस्तकबाल किया। उन्होंने सभी नौजवानों की कामयाबी के लिए दुआएं की। इस दौरान स्टेज पर मौलाना मुफ्ती साजिद सकाफी अशरफी,मुफ्ती जामी कमर अजहरी,मौलाना महबूब गौहर,मौलाना इसरार,हाफिज कुदुस,मोहम्मद ताहिर,मौलाना हाफिज कय्यूम,हाफिज शमशेर,हाफिज मोहम्मद शहादत,हाफिज मोहम्मद शफीक,हाफिज समीर,हाफिज गुलाम रजा और कमालुद्दीन अशरफी सहित तमाम लोग मौजूद थे।

कर्बला के शहीदों की याद में शहर में अलग-अलग प्रोग्राम हो रहे हैं। इसी कड़ी में खुर्सीपार में अंजुमन हुसैनिया की ओर से 24-25 जून की दरमियानी रात 8 मुहर्रम को शहीद इमाम हसन की चौकी निकाली गई। इस दौरान फातिहा ख्वानी हुई। वहीं 25 जून की रात सेक्टर-6 ईदगाह के पास, फरीद नगर और दीगर जगहों पर अकीदतमंदों ने अलाव पर चलकर करबला के शहीदों के लिए अपनी मुहब्बत का इजहार किया। यौमे आशूरा पर 26 जून शुक्रवार को शहर की सभी मस्जिदों में दोपहर के वक्त जुमे की नमाज के बाद मिल कर दुआए आशूरा पढ़ी जाएगी। वहीं शहर की परंपरा के मुताबिक ताजिया भी निकाला जाएगा।मुहर्रम शरीफ के मुबारक मौके पर हाउसिंग बोर्ड ईदगाह मैदान में अखाड़ा खेल रहे अंजुमन शेर-ए-खुदा कमेटी के बीच पार्षद पीयूष मिश्रा ने अपनी उपस्थिति दी। उन्होंने करबला के शहीदों को अपनी अकीदत पेश करते हुए खिलाड़ियों और कमेटी के सदस्यों का हौसला-अफ़ज़ाई की। अंजुमन शेर-ए-खुदा कमेटी ने पार्षद पीयूष का शुक्रिया अदा किया।

नंदिनी एयरोड्रम के पास ग्राम बीरेभाठ मुराद नगर में हजरत बाबा भोला शफी शाह रहमतुल्लाह अलैह की खानकाह में मुहर्रम के मौके पर करबला के शहीदों की याद में परचम कुशाई की गई। 7 मुहर्रम को ईमाम हुसैन की याद में खानकाह के ख़ादिम हसन बाबा ने परचमे हुसैनी लगाया। यहां मौजूद तमाम अकीदतमंदों ने ईमाम हुसैन और उनके 72 जां निसारों को अपनी अकीदत पेश की।

दुर्ग नगर निगम की अनूठी पहल: टैक्स जमा करने वाले करदाताओं का पौधा भेंट कर सम्मान

दुर्ग । करदाताओं के सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नगर पालिक निगम दुर्ग ने एक अभिनव और प्रेरणादायक अभियान की शुरुआत की है। इस पहल के तहत निगम के टैक्स काउंटरों पर संपत्तिकर एवं अन्य कर समय पर जमा करने पहुंचे जागरूक करदाताओं का पौधा भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया गया।निगम परिसर स्थित टैक्स काउंटर में बड़ी संख्या में नागरिक टैक्स जमा करने पहुंचे। इस दौरान निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रत्येक करदाता को पौधा देकर उनकी जिम्मेदार नागरिक भूमिका की सराहना की। करदाताओं ने भी निगम की इस पहल को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे कर भुगतान के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूकता बढ़ेगी।

निगम प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य केवल राजस्व संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित करना भी है। पौधा भेंट कर करदाताओं से अपील की गई कि वे इसे अपने घर, मोहल्ले या आसपास के क्षेत्रों में लगाएं और उसकी नियमित देखभाल करें, ताकि शहर को अधिक हरा-भरा और स्वच्छ बनाया जा सके। निगम अधिकारियों ने बताया कि नगर विकास में करदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। समय पर टैक्स जमा होने से सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता सहित विभिन्न जनहित एवं विकास कार्यों को गति मिलती है। प्रशासन ने नागरिकों से वर्षा ऋतु का लाभ उठाते हुए कम से कम एक पौधा लगाने और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने की अपील की। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि प्रत्येक नागरिक इस दिशा में छोटा सा योगदान दे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण मिल सकेगा। नगर निगम भविष्य में भी जनभागीदारी से जुड़े ऐसे नवाचार करता रहेगा, जिससे शहर के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता रहे।

स्व. दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय रानीतराई में असुविधा विद्यार्थियों को पाटन जाकर देनी पड़ रही परीक्षा

दुर्ग। जिले के अंतर्गत स्थित स्वर्गीय दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय, रानीतराई में नया भवन बनकर तैयार हो चुका है और उसका लोकार्पण भी हो गया है, लेकिन इसके बावजूद विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को आज भी अपनी परीक्षाएं देने के लिए शासकीय चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय, पाटन जाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय को परीक्षा केंद्र स्वीकृत करने के लिए लिखित आवेदन भेजकर आवश्यक मांग की जा चुकी है। प्रशासन ने अपने स्तर पर सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए महाविद्यालय में ही परीक्षा आयोजित कराने का आग्रह किया है, लेकिन विश्वविद्यालय से अब तक अनुमति नहीं मिलने के कारण आगामी जुलाई माह में होने वाली परीक्षाएं भी पाटन केंद्र में आयोजित होने की संभावना जताई जा रही है। इस स्थिति से विद्यार्थियों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि जब महाविद्यालय का भवन तैयार होकर लोकार्पित हो चुका है और नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं, तब भी उन्हें परीक्षा देने के लिए दूसरे महाविद्यालय जाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि महाविद्यालय की स्थापना के बाद से भवन के अभाव में छात्र-छात्राओं को पाटन जाकर परीक्षा देनी पड़ती थी, लेकिन अब भवन उपलब्ध होने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

रानीतराई महाविद्यालय में धमतरी जिले सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें से कई छात्रों को परीक्षा देने के लिए 20 से 25 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ती है। इससे समय, धन और श्रम की अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है। विद्यार्थियों एवं पालकों ने उच्च शिक्षा विभाग से जल्द से जल्द रानीतराई महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र की मान्यता प्रदान करने की मांग की है। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी इस विषय को गंभीरता से लेते हुए छात्र हित में पहल करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि परीक्षा केंद्र की सुविधा मिलने से हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी और शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग का

दुर्ग : नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा श्री महावीर जैन पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के पांच न्यायाधीश श्वेता पटेल, रवि कुमार कश्यप, अंजली सिंह, महिमा शर्मा एवं आरती ध्रुव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य सुनाली पातरा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।कार्यक्रम के प्रारंभ में न्यायाधीशों का विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें कानून, न्याय व्यवस्था एवं नागरिक कर्तव्यों के संबंध में सरल एवं सहज भाषा में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को एनडीपीएस अधिनियम के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। न्यायाधीशों ने नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा एवं भविष्य को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बिना हेलमेट एवं बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाने की समझाइश दी गई। साथ ही मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं ओटीपी साझा करने के खतरों के बारे में भी जागरूक किया गया तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय बताए गए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका न्यायाधीशों ने अत्यंत सरल, स्पष्ट एवं प्रेरणादायक ढंग से उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।अंत में विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार तथा कानून के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। यह विधिक जागरूकता शिविर विद्यार्थियों में कानूनी समझ, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं अनुशासन की भावना विकसित करने की दिशा में अत्यंत उपयोगी एवं सफल सिद्ध हुआ।

केंद्रीय जेल दुर्ग में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग । बंदियों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्रीय जेल दुर्ग में आज नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता हिमांशु जैन, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, जिला दुर्ग ने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नशे से मुक्ति के प्रभावी उपायों, काउंसलिंग की भूमिका, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति के महत्व पर भी प्रकाश डाला।इस अवसर पर बंदियों ने नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में लौटकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन व्यतीत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बंदियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।जेल प्रशासन ने बताया कि बंदियों के सर्वांगीण विकास और सफल पुनर्वास के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम, योग, ध्यान, कौशल विकास एवं परामर्श गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य सकारात्मक सोच विकसित करना और बंदियों को अपराध एवं नशे से दूर रखते हुए समाज की मुख्यधारा में पुनर्स्थापित करना है। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक मनीष सम्भाकर सहित अन्य जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र में लोहा चोरी मामला: मुख्यमंत्री को सौंपे गए दस्तावेज, केंद्रीय एजेंसियों से जांच पर बनी सहमति

भिलाई नगर। भिलाई इस्पात संयंत्र में वर्षों से जारी संगठित लोहा चोरी के कथित काले कारोबार के खिलाफ वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने इस मामले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को सौंपते हुए निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग की है। मुख्यमंत्री ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच एजेंसियों से जांच कराने पर सहमति जताई है।

विधायक सेन ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि भिलाई इस्पात संयंत्र जैसे राष्ट्रीय महत्व के सार्वजनिक उपक्रम में कथित तौर पर कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से संगठित गिरोह लंबे समय से लोहा चोरी कर रहा है, जिससे देश की बहुमूल्य संपत्ति को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने इसे केवल चोरी नहीं, बल्कि एक संगठित आर्थिक अपराध करार दिया।विधायक सेन का आरोप है कि इस अवैध कारोबार से अर्जित धन का उपयोग विभिन्न चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के खिलाफ भी किया गया। उन्होंने पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधायक की पहल की सराहना करते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र जैसे राष्ट्रीय संस्थान की संपत्ति की सुरक्षा राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि लोहा चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक और कड़े कदम उठाए जाएंगे।विधायक सेन ने बताया कि इस मुद्दे पर वे बीएसपी की विभिन्न श्रमिक एवं कर्मचारी यूनियनों से भी चर्चा कर चुके हैं। श्रमिक संगठनों ने भी संयंत्र की संपत्ति की सुरक्षा और भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए इस अभियान का समर्थन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुहिम किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफनहीं, बल्कि वर्षों से सक्रिय संगठित तंत्र के विरुद्ध है। इस संबंध में शिकायतें केंद्रीय इस्पात मंत्री, आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो, एंटी करप्शन ब्यूरो सहित अन्य सक्षम केंद्रीय एजेंसियों को भी सौंपी जा रही हैं।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि यदि समय रहते इस संगठित गिरोह पर कार्रवाई नहीं हुई तो राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान का सिलसिला जारी रहेगा। उनका उद्देश्य दोषियों को बेनकाब कर भिलाई इस्पात संयंत्र की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर स्थायी रोक लगाना है।

भिलाई के वरिष्ठ पत्रकार टी. सूर्याराव को रेल प्रशासन ने किया सम्मानित

टी. सूर्याराव की सजगता और तत्परता से टली बड़ी रेल दुर्घटना

भिलाई । रेल सुरक्षा के प्रति सजग नागरिक की सतर्कता से एक संभावित बड़ी रेल दुर्घटना टल गई। 22 मई को पावर हाउस रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पर फिश प्लेट के बोल्ट निकले हुए दिखाई दिए। यह स्थिति बेहद गंभीर थी और समय रहते सुधार नहीं होने पर किसी बड़े रेल हादसे का कारण बन सकती थी।

मामले की गंभीरता को समझते हुए टी. सूर्याराव ने तत्काल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) अवधेश कुमार त्रिवेदी को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही सीनियर डीसीएम ने बिना देर किए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए और प्लेटफॉर्म नंबर-2 से गुजरने वाली ट्रेनों की आवाजाही पर एहतियातन अस्थायी रोक लगा दी।

इसके बाद रेलवे का तकनीकी दल तत्काल मौके पर पहुंचा और ट्रैक की मरम्मत के साथ आवश्यक सुधार कार्य पूरा किया। सुरक्षा मानकों की पूरी तरह पुष्टि होने के बाद ही ट्रेनों का संचालन दोबारा शुरू किया गया।

सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि यदि समय पर सूचना नहीं मिलती, तो एक बड़ी रेल दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी रायपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दयानंद को भी दी। रेल सुरक्षा और जनहित के प्रति टी. सूर्याराव द्वारा दिखाई गई सजगता एवं जिम्मेदारी की सराहना करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल ने उन्हें सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान रेलवे वाणिज्यिक विभाग के निरीक्षक बाबूराव टाटा, कलिंगा समाज रायपुर के अध्यक्ष जगदीश्वर राव तथा विष्णु केमिकल भिलाई के वाइस प्रेसिडेंट एम.वी. राव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र हितग्राहियों के नाम कटने से ग्रामीणों में नाराजगी, सरपंचों ने जनपद CEO से की मुलाकात

पाटन। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के नाम सूची से कटने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। इसी संबंध में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने जनपद पंचायत पाटन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मुलाकात कर अपनी चिंता एवं मांगों से अवगत कराया। ज्ञात हो कि 24 जून को पूरे छत्तीसगढ़ की ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन किया गया था। ग्राम सभाओं के दौरान ग्राम सचिवों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की पात्रता सूची का वाचन किया गया। सूची में कई ऐसे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के नाम नहीं पाए गए, जिन्हें आवास की अत्यंत आवश्यकता है। इसके चलते विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त की। सरपंचों ने बताया कि योजना का लाभ वास्तविक और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचना चाहिए तथा कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे। इस संबंध में उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार से भी मांग की है कि पात्र परिवारों को योजना में शामिल करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com